सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आप भी चेहरे पर वै संग कराती हैं? जानें कितना सुरक्षित है फेस वै पेज: 7

मानवी गगरू ने सुनाया करियर के शुरूआत का किस्सा पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 84 | शुक्रवार 26 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान देनेवाले मेजर शहीद वीर ऋषिकेश रामाणी को देश हमेशा याद रखेगा: मगनभाई पटेल

नई दिल्ली एजेंसी: हाल ही में देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद वीर मेजर ऋषिकेश रामाणी के 17वें बलिदान दिवस के अवसर पर, हर साल की तरह इस वर्ष भी गार्ड ऑफ ऑनर द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शाम सेवा फाउंडेशन के चेयरमैन मगनभाई पटेल की अध्यक्षता में अहमदाबाद के निकोल क्षेत्र में स्थित मेजर ऋषिकेश रामाणी गार्डन में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम की शुरूआत मेजर ऋषिकेश रामाणी के पिता श्री वल्लभभाई रामाणी और माता श्रीमती गीताबेन रामाणी द्वारा मेजर ऋषिकेश रामाणी के स्मारक को गार्ड ऑफ ऑनर के साथ श्रद्धांजलि अर्पित करके की गई। इसके बाद, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री मगनभाई पटेलने भी सेना के दो उच्च अधिकारी (पायलटिंग ऑफिसर्स) के साथ गार्ड ऑफ ऑनर द्वारा स्मारक पर

किसान के बाद छात्र भी 'आतंकवादी': राहुल गांधी बोले, धर्मेंद्र प्रधान माफी मांगें

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की कड़ी आलोचना करते हुए उन पर छात्रों का अपमान करने का आरोप लगाया और देश के युवाओं से माफी मांगने और इस्तीफा देने की मांग की। एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में, गांधी ने दावा किया कि मोदी सरकार अहंकारी हो गई है और उन छात्रों को निशाना बना रही है जो अपने अधिकारों, निष्पक्ष परीक्षाओं और रोजगार के मौकों की मांग कर रहे हैं। उन्होंने लिखा कि सत्ता के अहंकार में डूबी मोदी सरकार अब उस मुकाम पर पहुँच गई है जहाँ शिक्षा मंत्री उन छात्रों को 'आतंकवादी' कह रहे हैं, जो बस

अपने अधिकारों, निष्पक्ष परीक्षाओं और सुरक्षित भविष्य की मांग कर रहे हैं। गांधी ने परीक्षा के पेपर बार-बार लीक होने और शिक्षा व्यवस्था की नाकामियों जैसे मुद्दों पर जोर दिया, जिनका लाखों छात्रों के भविष्य पर बुरा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि जरा सोचिए जिसकी नाकामियों की वजह से इतने सारे पेपर लीक हुए, जिसके शासन में 20 बच्चों की जान चली गई, जिसने लाखों युवाओं का भविष्य अंधेरे में धकेल दिया वही

नसे इस्तीफा व माफी की मांग की............

राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर छात्रों को 'आतंकवादी' कहने का आरोप लगाते हुए कड़ी निंदा की और उनसे इस्तीफा व माफी की मांग की है। गांधी ने परीक्षा लीक और शिक्षा व्यवस्था की नाकामियों पर प्रकाश डाला, और मोदी सरकार पर........

आज परेशान बच्चों और आवाज उठाने वालों को 'आतंकवादी' कह रहा है। लेकिन यह कोई नई बात नहीं है: देश का पेट भरने वाले किसानों को 'पेशेवर आंदोलनकारी और परजीवी' कहा गया। सवाल पूछने वालों को 'देश-विरोधी' करार दिया गया। और अब, युवाओं को 'आतंकवादी' कहा जा रहा है। पिछले विरोध-प्रदर्शनों का ज़िक्र करते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार ने बार-बार आलोचकों और असहमति जताने वालों को अपमानजनक नामों से पुकारा है। उन्होंने कहा कि जो कोई भी सरकार से सवाल करता है, उसे देशद्रोही करार दे दिया जाता है; बस यही उनकी पूरी राजनीति है। धर्मेंद्र प्रधान, आप तुरंत इस देश के लाखों युवाओं से माफी मांगें और अपनी नाकामियों के लिए इस्तीफा दें। जहाँ तक मेरी बात है, तो आप मुझ पर जितना चाहें उतना हमला कर सकते हैं। शिक्षा व्यवस्था पर अपनी आपत्तियों को दोहराते हुए गांधी ने कहा कि उन्होंने पहले भी कोटा में इस बारे में बात की थी और वे अपनी बात आगे भी उठाते रहेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि मैंने कोटा में भी यही कहा था और आज फिर कह रहा हूँ: आज यह शिक्षा व्यवस्था सिर्फ.वसूली का धंधा बन गई है। मैं इसे ऐसे ही नहीं चलने दूँगा। हर बच्चे को सस्ती और अच्छी शिक्षा मिले और परीक्षाएँ निष्पक्ष होंइइस बात के लिए मैं हमेशा आवाज उठाता रहूँगा।

बांग्लादेशी घुसपैठिए की खैर नहीं, बंगाल, असम, गुजरात ने घुसपैठियों के खिलाफ अभियान और तेज किया

नई दिल्ली एजेंसी: ढाका से लेकर गुवाहाटी और गुजरात तक फैले बांग्लादेशी घुसपैठ के जाल ने एक बार फिर देश की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सीमा पर लगातार सख्ती के बावजूद घुसपैठियों के गिरोह नए रास्ते, नए दलाल और नए फर्जी दस्तावेजों के सहारे भारत में दाखिल होने की कोशिश कर रहे हैं। हालात इतने चिंताजनक हो चुके हैं कि अब यह केवल अवैध प्रवेश का मामला नहीं रह गया, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और कानून व्यवस्था के लिए सीधी चुनौती बन चुका है। ताजा घटना की बात करें तो आपको बता दें कि बांग्लादेश ने फिर आरोप लगाया है कि भारतीय सीमा सुरक्षा बल ने नौ लोगों को बांग्लादेश में भेजने की कोशिश की।

बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड ने दावा किया कि नौगांव के सपाहार सीमा क्षेत्र में तीन पुरुष, तीन महिलाएं और तीन बच्चों को जीरो लाइन के पास रोका गया। बांग्लादेशी बलों का कहना है कि उनकी कड़ी चौकसी के कारण इन लोगों को देश में घुसने नहीं दिया गया और वे सीमा पर ही फंसे रहे। इस पूरे मामले पर भारतीय पक्ष की ओर से आधिकारिक बयान सामने नहीं आया, लेकिन यह घटना सीमा पर लगातार बढ़ रही हलचल को साफ दिखाती है। इसी बीच, पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में सीमा पर ड्यूटी कर रहे सीमा सुरक्षा बल के जवान विनीत कुमार दुबे की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के कन्नौज निवासी विनीत कुमार दुबे देर रात भारी बारिश और तूफान के बीच भारत बांग्लादेश सीमा के खुले इलाके में निगरानी कर रहे थे। बिजली गिरते ही वह गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। यह घटना बताती है कि सीमा की रक्षा में लगे जवान किस तरह हर पल जान जोखिम में डालकर देश की सुरक्षा कर रहे हैं। दूसरी ओर गुजरात सरकार की ओर से चलाया गया

"ऑपरेशन डेल्टा हंट" देश के इतिहास में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ सबसे बड़ा अभियान माना जा रहा है। अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट और भरूच समेत कई शहरों में एक साथ छापेमारी कर पांच सौ से ज्यादा संदिग्ध घुसपैठियों को पकड़ा गया। जांच एजेंसियों के मुताबिक यह केवल अवैध प्रवेश का मामला नहीं है, बल्कि इसके पीछे मानव तस्करी, फर्जी पहचान पत्र, हवाला जैसे पैसों के नेटवर्क और अंतरराज्यीय गिरोह सक्रिय हैं।

32 की मौत- 700 से ज्यादा घायल, पीएम मोदी ने जताया गहरा शोक, बोले- 'संकट में हर संभव मदद को तैयार है भारत'

नई दिल्ली एजेंसी: वेनेजुएला में आए सदी के सबसे विनाशकारी भूकंपों से मची भारी तबाही और जनहानि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए पीएम मोदी ने वेनेजुएला के नागरिकों के प्रति भारत की ओर से संवेदनाएं व्यक्त कीं और संकट की इस घड़ी में हर संभव मानवीय और चिकित्सा सहायता देने का भरोसा दिलाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में लिखा: "वेनेजुएला में आए जबरदस्त भूकंपों से हुई तबाही से बहुत दुख हुआ है। भारत के लोगों की ओर से, मैं वेनेजुएला की सरकार और वहाँ के लोगों, खासकर उन परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ जिन्होंने

अपनों को खो दिया है। हम घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करते हैं और इस मुश्किल समय में प्रभावित सभी लोगों के साथ खड़े हैं। भारत हर संभव मदद देने के लिए तैयार है।" त्रासदी में अब तक 32 की मौत, 700 से अधिक घायल अंतर्राष्ट्रीय समाचार एजेंसी 'बीएनओ न्यूज' के ताजा आंकड़ों के अनुसार, वेनेजुएला के कैरेबियन तट पर आए इन दो शक्तिशाली भूकंपों में अब तक कम से कम 32 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 700 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मलबे के नीचे दबे लोगों को निकालने के लिए बचाव और राहत दल लगातार युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं, जिससे हताहतों की संख्या और बढ़ने की आशंका है। कुछ ही मिनटों के अंतराल पर आए दो भीषण झटके यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, बुधवार शाम वेनेजुएला में कुछ ही मिनटों के अंतराल पर दो बैक-टू-बैक भूकंप आए, जिन्होंने पूरे देश को हिलाकर रख दिया: पहला झटका: तटीय शहर मोरोन के पास जमीन से 22 किलोमीटर की गहराई पर आया, जिसकी तीव्रता 7.2 मापी गई। दूसरा झटका: इसके तुरंत बाद मोरोन के दक्षिण-पश्चिम में महज 10 किलोमीटर की गहराई पर 7.5 तीव्रता का दूसरा और अधिक शक्तिशाली भूकंप आया। इसे वेनेजुएला के इतिहास में एक सदी (100 वर्ष) से भी अधिक समय में आया सबसे विनाशकारी भूकंप माना जा रहा है, जिसके झटके पड़ोसी देशों तक में महसूस किए गए। देश में आपातकाल; इंटरनेशनल एयरपोर्ट पूरी तरह बंद बुधवार देर रात देश को संबोधित करते हुए कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने जनता से शांति और एकजुटता बनाए रखने की अपील की है।

अरुणाचल प्रदेश में बादल फटने से जलप्रलय! फ्लैश फ्लड में 5 लोग लापता, 50 घर हुए तबाह

अरुणाचल एजेंसी: अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुबनसिरी और केयी पैन्योर ज़िलों में लगातार भारी बारिश से अचानक बाढ़ आ गई है, जिससे कई गाँव डूब गए हैं, घरों और खेती की जमीन को नुकसान पहुँचा है और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर असर पड़ा है। राज्य में पिछले कुछ दिनों से जोरदार बारिश हो रही है, जिसके कारण कई ज़िलों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ की स्थिति बनी है और सड़कों, पुलों व अन्य सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुँचा है। याजली सर्कल के पूसा में नीपको प्रोजेक्ट कॉलोनी के पास अचानक आई बाढ़ के बाद पांच लोगों के लापता होने की खबर है। याचुली निर्वाचन क्षेत्र के विधायक टोको टटुंग के अनुसार, अधिकारी प्रभावित इलाकों में स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और खोज व बचाव अभियान जारी है। टटुंग ने कहा कि आज सुबह करीब 6 बजे हमारे जिले, केयी पैन्योर में बादल फटने की घटना हुई। इसके कारण कई जलधाराएं उफान पर आ गईं

और भारी बाढ़ आ गई। अचानक आई इस बाढ़ से काफी नुकसान हुआ है, खासकर नीपको कॉलोनी में। अभी तक किसी की जान जाने की कोई पक्की जानकारी नहीं है, लेकिन पांच लोग लापता हैं और खोज अभियान चल रहा है। इलाके में एक पुल भी बह गया है। कुल मिलाकर, कम से कम 50 घर नष्ट हो गए हैं। ईटानगर के क्षेत्रीय मौसम केंद्रों से मिली जानकारी के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश के निचले सुबनसिरी ज़िले के यजाली स्टेशन पर मंगलवार सुबह खत्म हुए 24 घंटों के दौरान लगभग 72.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसमें से ज्यादातर बारिश बुधवार सुबह 6 बजे से 9 बजे के बीच हुई। सैटेलाइट और रडार की तस्वीरों से पता चलता है कि सुबह 6 बजे से 7.30 बजे के बीच जबरदस्त बारिश हुई, जिसके कारण अचानक बाढ़ आ गई और ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों (ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र) में नदियों के बहाव में काफी बढ़ोतरी हुई। आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने संवेदनशील इलाकों और नदी के किनारों पर रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और बिना जरूरत यात्रा न करने की अपील की है।

केजरीवाल का बड़ा हमला: एसआईटी जांच सिर्फ.एक धोखा, ताकतवरों को बचाने का कवर-यूपी

नई दिल्ली एजेंसी: आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को अयोध्या राम मंदिर में चंदे के कथित गबन की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम पर निशाना साधा। उन्होंने इसे "धोखाधड़ी" और प्रभावशाली लोगों को बचाने के लिए किया गया मामले को दबाने का प्रयास" (कवर-अप) बताया। आज लखनऊ पहुंचे केजरीवाल ने दावा किया कि रक्ळ के पास निष्पक्ष जांच करने का अधिकार नहीं है। आप राष्ट्रीय संयोजक ने पत्रकारों से कहा, "इस रक्ळ के पास जांच करने की कोई शक्ति नहीं है, इसलिए लोगों की नजर में यह रक्ळ सिर्फ.एक धोखा है। यह पूरे मामले को दबाने की कोशिश है और रक्ळ का एकमात्र काम प्रभावशाली लोगों को बचाना है। मंदिर के खजाने से चोरी के आरोपों पर दुख जताते हुए केजरीवाल ने कहा कि चढ़ावे के

गायब होने की खबरों से उन्हें गहरा दुख हुआ है। उन्होंने कहा कि श्री राम मंदिर के बारे में जिस तरह की खबरें आ रही हैं, उससे मेरा दिल बहुत दुखी है। भगवान को चढ़ाए गए हीरे और गहने चोरी हो गए। कहा जा रहा है कि 200 करोड़ रुपये तक नकद चोरी हुए। किसी ने 200 किलो चांदी दान की थी, वह भी चोरी हो गई। मेरा दिल बहुत दुखी है। केजरीवाल ने यह भी घोषणा की कि वह शुक्रवार को अयोध्या जाएंगे ताकि स्थिति का जायजा ले सकें और धार्मिक नेताओं से बातचीत कर सकें। उन्होंने कहा कि मैं कल अयोध्या के लिए निकल रहा हूं।

पीएमओ के दखल के बाद भी राम मंदिर ट्रस्ट का इनकार, नहीं देंगे फाइनेंशियल रिकॉर्ड

नई दिल्ली एजेंसी: श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से मिली शिकायत के बाद स्थानीय प्रशासन द्वारा मांगी गई विस्तृत वित्तीय जानकारी देने से इनकार कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, बीजेपी नेता रजनीश सिंह ने 9 जून को पीएमओ को पत्र लिखकर ट्रस्ट के वित्तीय रिकॉर्ड का पूरा ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग की थी। शिकायत में राम मंदिर ट्रस्ट के बनने के बाद से आय और खर्च में पारदर्शिता की मांग की गई थी। साथ ही, मिले दान, बैंक अकाउंट के कामकाज, जमीन की खरीद-बिक्री और कुल संपत्ति का ब्योरा भी मांगा गया था।इसके बाद पीएमओ ने यह मामला ज़िला प्रशासन को भेज दिया, जिसने ट्रस्ट से जरूरी जानकारी मांगी। हालांकि, खबरों के मुताबिक ट्रस्ट के सेक्रेटरी ने रिकॉर्ड शेयर करने से इनकार कर दिया। अपने जवाब में ट्रस्ट ने कहा कि एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम एसआईटी पहले से ही औपचारिक जांच कर

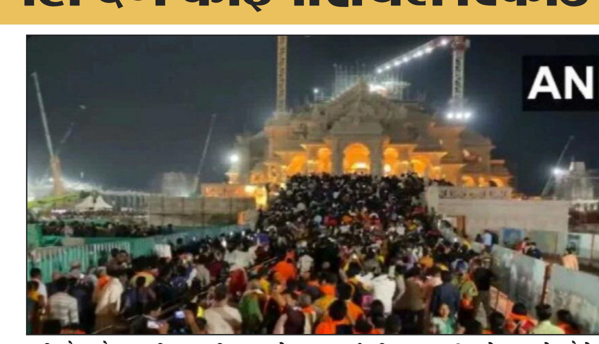

रही है और सभी जरूरी दस्तावेज और रिकॉर्ड इकट्ठा कर रही है। इसलिए, इस स्टेज पर और जानकारी शेयर करना सही नहीं होगा। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि 13 जून को गठित एसआईटी ने इस हफ़्ते की शुरूआत में राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। मूल शिकायत में समर्पण निधि अभियान के तहत जुटाए गए फंड का ब्योरा, सोने, चांदी और गहनों के रूप में मिले दान की जानकारी, साथ ही ट्रस्ट के बैंक अकाउंट स्टेटमेंट, वित्तीय लेन-देन और ऑडिट रिपोर्ट का खुलासा करने की भी मांग की गई थी। राम मंदिर में दान के पैसे के कथित गलत इस्तेमाल की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने उत्तर प्रदेश के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (होम) संजय प्रसाद को अपनी शुरूआती रिपोर्ट सौंप दी है।

खबरों के मुताबिक, रिपोर्ट में दान की गिनती और उसकी निगरानी के तरीके में गंभीर खामियों की बात कही गई है। सूत्रों के अनुसार, रिपोर्ट में दान संभालने की व्यवस्था में खराब निगरानी और जवाबदेही में कमियों को लेकर चिंता जताई गई है।

सीएम विजय ने विधानसभा में उड़ाया स्टालिन का मजाक, जवाब में द्रमुक प्रमुख ने किया तगड़ा पलटवार

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु की राजनीति में इन दिनों मुख्यमंत्री विजय और द्रमुक नेता एमके स्टालिन के बीच छिड़ी टकराहट ने राज्य की राजनीति के तापमान को बढ़ा दिया है। विधानसभा के भीतर शुरू हुई यह जुबानी जंग अब जनता और सोशल मीडिया तक पहुंच चुकी है। आरोप, व्यंग्य, अभिनय शैली, हाथ के इशारे और कटाक्षों के बीच यह संघर्ष केवल दो नेताओं की व्यक्तिगत भिडंत नहीं रह गया, बल्कि तमिलनाडु की बदलती राजनीति का संकेत भी बन गया है। हम आपको बता दें कि विवाद की शुरूआत विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान हुई। मुख्यमंत्री विजय ने अपने पुराने फिल्मी अंदाज में एक छोटी कहानी सुनाते हुए विपक्ष और खास तौर पर द्रमुक पर निशाना साधा। उन्होंने चुनावी हार का जिक्र करते हुए विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन पर तंज कसा और कहा कि उनके पिता दिखाई नहीं दे रहे हैं। विजय का यह व्यंग्य सीधे एमके स्टालिन पर था, जो विधानसभा में मौजूद नहीं थे। विजय का यह हमला केवल राजनीतिक टिप्पणी नहीं था, बल्कि इस दौरान उन्होंने जिस प्रकार का अभिनय किया उसने द्रमुक को चिढ़ा दिया। भाषण के दौरान मुख्यमंत्री

विजय ने वही हाथ का इशारा दोहराया जो हाल के महीनों में स्टालिन से जोड़ा जाता रहा है और जो पहले ही राजनीतिक मीम बन चुका था। यह दृश्य कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। द्रमुक विधायकों ने विजय के भाषण का विरोध करते हुए सदन से बहिर्गमन भी किया, लेकिन मुख्यमंत्री ने अपना भाषण जारी रखा। वहीं एमके स्टालिन ने भी पलटवार करने में देर नहीं लगाई। तिरुवारुर में एक

हम आपको बता दें कि विवाद की शुरूआत विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान हुई। मुख्यमंत्री विजय ने अपने पुराने फिल्मी अंदाज में एक छोटी कहानी सुनाते हुए विपक्ष और खास तौर पर द्रमुक

सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा में रहें या न रहें, वह जनता के मन में हमेशा मौजूद रहेंगे। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर किसी को उन्हें देखना है तो सचिवालय की उन फाइलों में देखे जहां कलैञर अधिकार योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं दर्ज हैं। स्टालिन ने यह भी कहा कि राजनीति को अभिनय का मंच नहीं बनाया जाना चाहिए। स्टालिन ने विजय पर विधानसभा की गरिमा घटाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का भाषण जनहित के मुद्दों से ज्यादा फिल्मी प्रस्तुति जैसा था। उन्होंने कहा कि बिजली कटौती, किसानों की समस्याएं, कानून व्यवस्था और चुनावी वादों जैसे गंभीर सवालों पर कोई ठोस जवाब नहीं दिया गया। स्टालिन ने यह आरोप भी लगाया कि विजय ने किसानों के आंदोलनों को विपक्ष के उकसावे से प्रेरित बताकर किसानों का अपमान किया है। द्रमुक नेता ने विधानसभा की कार्यवाही के फिल्मांकन पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि विधानसभा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री के भाषण को एक ही दृश्य में बिना व्यवधान के रिकॉर्ड होने दिया, मानो विधानसभा की कार्यवाही नहीं बल्कि किसी फिल्म की शूटिंग चल रही हो। स्टालिन ने विजय को सलाह दी कि वह अभिनेता की छवि से बाहर निकलकर मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी निभाएं। देखा जाये तो यह टकराव केवल व्यक्तिगत बयानबाजी तक सीमित नहीं है।

संपादकीय

सूखे की आहट

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के कमजोर रहने की चिंताओं के बीच देश के कृषि क्षेत्र के सामने सूखे की चुनौती पैदा होने की आशंका बलवती हुई है। हाल-फिलहाल बारिश में चालीस से छियालीस प्रतिशत की कमी मापी गई है। देश के मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दो जुलाई तक मानसून की सक्रियता कम रहने के अनुमान के कारण खरीफ की फसल को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार ने कम बारिश वाले 315 जिलों में से 111 ऐसे जिलों की पहचान की है, जो सूखे की दृष्टि से ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं। जो आसन्न संकट की गंभीरता को भी दशार्ता है। यह विडंबना है कि तमाम सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के बावजूद आज देश में खेती की मॉनसून की बारिश पर निर्भरता बनी हुई है। यही वजह है कि मॉनसून में देरी या कम बारिश होने का सीधा असर फसल की बुवाई, खाद्यान्न की पैदावार, ग्रामीणों की आय और खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई के रूप में पड़ता है। ऐसे में यदि जुलाई व अगस्त माह के महत्वपूर्ण समय में बारिश सामान्य से कम होती है तो इसके परिणाम चिंता बढ़ाने वाले हो सकते हैं। केंद्र सरकार राज्य और जिले स्तर पर आपातकालीन योजनाएं तैयार कर रही है। सरकार सूखे में भी बेहतर उत्पादन कर सकने वाली फसलों को बढ़ावा देने के साथ ही जल संरक्षण पर जोर दे रही है। साथ ही कोशिश है कि किसानों के लिये बीज-उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। देश में दालों, तिलहन और मोटे अनाजों की खेती को प्राथमिकता देना जरूरी है, क्योंकि ये फसलें कम पानी में भी सामान्य उत्पादन दे सकती हैं। सुखद ही है कि अल नीनो मॉनिटरिंग सेल को सक्रिय किया गया ताकि कृषि विज्ञान केंद्रों के जरिये रियल-टाइम सलाह किसानों को देकर सूखे के प्रभावों को कम किया जा सके। निश्चित रूप से पूरी तैयारी के साथ सूखे से मुकाबले का मतलब है कि हमने आधी लड़ाई जीत ली है। आज जरूरत इस बात की है कि सूखे की आशंका के बीच जल संकट से मुकाबले के लिये एक प्रभावी समग्र नीति बने। समय-समय पर इन नीतियों में सुधार किया जाए। जरूरी है कि जलवायु परिवर्तन संकट के दौर में मानसून के व्यवहार में अनिश्चितता के बीच खेती की बारिश पर निर्भरता को कम करने के लिये व्यापक रणनीति तैयार की जाए। इसके लिये जरूरी है कि सूक्ष्म-सिंचाई सुविधा का विस्तार, जल निकायों के पुनरुद्धार, भूजल प्रबंधन को बेहतर बनाने और जलवायु के अनुरूप खेती को बढ़ावा देने के प्रयास हों। हम मौसम के बदलते मिजाज पर हर बार प्रतिक्रिया देने के बजाय दीर्घकालिक राष्ट्रीय प्राथमिकताएं सुनिश्चित करें। हमें किसानों को आर्थिक संकट से उबारने को अपनी वरीयता सूची में शामिल करना चाहिए। विडंबना यह है कि प्राकृतिक आपदाओं से फसलों की रक्षा के लिये बीमा कवरेज अभी भी ज्यादा प्रभावी नहीं है। किसानों को फसलों को क्षति पहुंचने पर मुआवजा लेने के बारे में व्यावहारिक जानकारी अक्सर कम ही होती है। वैसे तो देश में अनाज का पर्याप्त भंडारण है और आपातकालीन व्यवस्था के चलते देश की खाद्य सुरक्षा को तुरंत कोई बड़ा खतरा नहीं है।

चिंतन-मनन

बदला हुआ आदमी

स्कॉटलैंड के एक राजा को शत्रुओं ने पराजित कर दिया। उसे धन-जन की बड़ी हानि हुई और संगी-साथी भी छूट गए। अब बस उसका जीवन बचा था, पर शत्रु उसकी टोह में थे। प्राण बचाने के लिए वह भागा-भागा फिर रहा था। स्थिति यह थी कि राजा अब मरा कि तब मरा। राजा एक खोह में छिपा अपनी मौत की प्रतीक्षा करते हुए सोच रहा था- शत्रु की तलवार पल भर में मेरा काम तमाम कर देगी।

तभी राजा ने देखा- एक मकड़ी खोह के दरवाजे पर जाला बनाने में व्यस्त थी। वह कई बार कोशिश करती, नाकाम रहती, लेकिन फिर से उठकर जाला बनाने लगती। राजा ने सोचा- यह व्यर्थ प्रयत्न कर रही है। बिना आधार के जाला भला कैसे बना पाएगी। किंतु आश्चर्य, मकड़ी का एक झीना-सा सूत्र खोह के मुंह पर अटक ही गया। बस फिर एक के बाद एक सूत्र अटकते चले गए और देखते-देखते जाला तेजी से बुना जाने लगा। थोड़ी देर में पूरी खोह के मुंह पर जाला तैयार था।

तभी शत्रु के सिपाही वहां आ पहुंचे। लेकिन खोह के मुंह पर मकड़ी का जाला बना देख वापस लौट गए। करीब आई हुई मौत तो वापस चली गई पर राजा को एक गहरे विचार में छोड़ गई। उसने सोचा- मकड़ी बार-बार गिरकर भी निराश और परास्त नहीं हुई तो मैं इंसान होकर भी क्यों डर रहा हूं? मैं भी अवश्य अपने शत्रुओं को परास्त करूंगा। इस मकड़ी ने मेरा संकल्प मजबूत कर दिया है। यह सोचते ही वह खोह से बाहर निकल गया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भारत विश्व का सबसे बड़ा प्रतिभा केंद्र और उज्ज्वल भविष्य की नई शक्ति

कांतिलाल मांडोत

इक्कीसवीं सदी में यदि किसी देश ने अपनी प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को प्रभावित किया है तो वह भारत है। कभी ऐसा समय था जब देश के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक इंजीनियर शोधकर्ता और तकनीकी विशेषज्ञ बेहतर अवसरों की तलाश में विदेशों की ओर जाते थे। उस दौर में इसे ब्रेन ड्रेन कहा जाता था और चिंता जताई जाती थी कि देश की सबसे मूल्यवान संपत्ति विदेशों की प्रगति में योगदान दे रही है। लेकिन आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। भारत अब केवल प्रतिभा देने वाला देश नहीं रहा बल्कि प्रतिभाओं को वापस आकर्षित करने वाला विश्व का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है।

आज दुनिया के विकसित देशों में भारतीय प्रतिभा की धाक है। अमेरिका ब्रिटेन कनाडा ऑस्ट्रेलिया और खाड़ी देशों की बड़ी कंपनियों में भारतीय पेशेवर नेतृत्वकारी भूमिकाओं में कार्य कर रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता विज्ञान इंजीनियरिंग चिकित्सा और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञों की मांग लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत को दुनिया का सबसे बड़ा टैलेंट हब कहा जा रहा है।

हाल के वर्षों में एक नई और उत्साहजनक प्रवृत्ति देखने को मिली है। बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर विदेशों से वापस अपने देश लौट रहे हैं। वे केवल नौकरी करने नहीं आ रहे बल्कि भारत में अवसरों का नया संसार खड़ा कर रहे हैं। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में एक लाख बत्तीस हजार से अधिक उच्च कौशल वाले भारतीय पेशेवर अपने देश लौटे। यह संख्या इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल सपनों का देश नहीं बल्कि सपनों को साकार करने का सबसे उपयुक्त स्थान बनता जा रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लौटने वाले भारतीय युवा उन क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जो भविष्य की दिशा तय करेंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता डीप टेक सेमीकंडक्टर एयरोस्पेस क्लाइमेट टेक और उन्नत अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञ नई कंपनियां स्थापित कर रहे हैं। वे रिसर्च लैब बना रहे हैं नई तकनीक विकसित कर रहे हैं और दुनिया की चुनौतियों के समाधान खोज रहे हैं। यह केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि भारत के वैज्ञानिक और तकनीकी पुनर्जागरण का संकेत है।

दुनिया भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विशेषज्ञों की संख्या सीमित है लेकिन उनमें भारतीयों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत एआई प्रतिभा उपलब्ध कराने वाले देशों में सबसे आगे है। भारतीय इंजीनियर और वैज्ञानिक वैश्विक तकनीकी विकास की रीढ़ बन चुके हैं। आज दुनिया की बड़ी तकनीकी कंपनियां भारतीय प्रतिभा के बिना अपनी कल्पना भी नहीं कर सकतीं। यह स्थिति भारत की शिक्षा व्यवस्था मेहनतकश युवाओं और ज्ञान आधारित संस्कृति की सफलता को दशार्ती है।

भारत की बढ़ती ताकत का एक कारण उसका विशाल युवा वर्ग भी है। देश की बड़ी आबादी युवा है और यह युवा वर्ग नई तकनीकों को तेजी से अपनाने की क्षमता रखता है। भारतीय युवा केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं रहना चाहते बल्कि वे रोजगार देने वाले बनना चाहते हैं। स्टार्टअप संस्कृति ने इस सोच को नई दिशा दी है। देश में दो लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप सक्रिय हैं और इनमें से अनेक वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। यह उपलब्धि दशार्ती है कि भारत में नवाचार और उद्यमिता का वातावरण तेजी से मजबूत हो रहा है।

विदेशों से लौट रहे पेशेवरों के पीछे केवल भावनात्मक कारण ही नहीं हैं बल्कि भारत में उपलब्ध अवसर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विकसित देशों में आर्थिक मंदी और बदलती आव्रजन नीतियों ने भी लोगों को सोचने पर मजबूर किया है। दूसरी ओर भारत में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था मजबूत डिजिटल ढांचा और नवाचार को बढ़ावा देने वाली नीतियां प्रतिभाओं को आकर्षित कर रही हैं। अब भारतीय विशेषज्ञों को लगता है कि वे अपने देश में रहकर भी विश्व स्तरीय उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

भारत सरकार ने भी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं शुरू की गई हैं। विदेशों से लौटने वाले शीर्ष वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों को आकर्षक शोध अनुदान और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सस्ती सुपरकंप्यूटिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं जिससे युवा शोधकताओं और स्टार्टअप्स को अत्यधिक लाभ मिल रहा है। सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास के लिए विशेष मिशन चलाए जा रहे हैं ताकि भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सके।

भारत की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां प्रतिभा और अवसर का संगम तेजी से मजबूत हो रहा है। पहले प्रतिभा थी लेकिन अवसर सीमित थे। अब अवसर भी बढ़ रहे हैं और संसाधन भी उपलब्ध हो रहे हैं। यही कारण है कि दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली भारतीय अब यह नहीं पूछते कि भारत क्यों लौटें बल्कि वे यह सोचते हैं कि अपने भविष्य का निर्माण किसी दूसरे देश में क्यों करें। यह सोच भारत के प्रति बढ़ते विश्वास और गर्व का प्रतीक है।

भारतीय प्रतिभा केवल आर्थिक विकास में योगदान नहीं दे रही बल्कि देश की वैश्विक प्रतिष्ठा भी बढ़ा रही है। जब कोई भारतीय वैज्ञानिक नई खोज करता है जब कोई भारतीय उद्यमी वैश्विक कंपनी खड़ी करता है या जब कोई भारतीय तकनीकी विशेषज्ञ दुनिया की जटिल समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है तब पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ता है। आज भारत ज्ञान विज्ञान और नवाचार की शक्ति के रूप में पहचाना जा रहा है। आने वाले वर्षों में भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने वाली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता हरित ऊर्जा अंतरिक्ष विज्ञान जैव प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भारत के पास अपार संभावनाएं हैं। यदि देश इसी गति से आगे बढ़ता रहा तो वह केवल प्रतिभा उपलब्ध कराने वाला राष्ट्र नहीं रहेगा बल्कि विश्व के वैज्ञानिक और तकनीकी नेतृत्व का केंद्र बन जाएगा। आज का भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है। यह ऐसा भारत है जो अपने युवाओं की क्षमता पर भरोसा करता है। यह ऐसा भारत है जो दुनिया को केवल मानव संसाधन नहीं बल्कि विचार नेतृत्व नवाचार और समाधान प्रदान कर रहा है।

क्या भारतीय महिलाओं की पहचान सोनम मुस्कान और सिया बनेंगी?

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब दो साल पहले हनीमून ट्रिप पर अपने पति राजा रघुवंशी को अपने प्रेमी के साथ मिल कर मौत के घाट उतारने वाली सोनम की तर्ज पर ही अब पुणे की एक युवती ने अपने आशिक के साथ मिलकर अपने अरबपति बिजनेसमैन मंगेतर को पहाड़ी से धक्का देकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने घटना के पांच दिन बाद मामले की सघन जांच कर युवती सिया गोयल और उसके आशिक प्रेमी चेतन बाबूलाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

यह वारदात समाज में पनप रहे लव अफेयर्स और प्रेमी को पाने के लिए हिंसा की ओर प्रवृत होती युवा पीढ़ी का अनावरण करती है वहीं दूसरी ओर इश्क के जुनून में बेगुनाह मंगेतर और पति के कत्ल से भी गुरेज नहीं करने वाली कथित एलीट एजुकेटेड बिंदास लड़कियों के व्यवहार में हो रहे बर्बरता भरे हिंसक व्यवहार का भी खुलासा करती है।

सावधान यदि आप किसी लड़की के रंगरूप आकर्षक शरीर सौष्ठव भोले चेहरे को देख कर अपना जीवन साथी बना रहे हैं तो पहले उसके बीते और वर्तमान दिनचर्या की ढंग से पड़ताल कर लें अन्यथा इंदौर के राजा रघुवंशी और पुणे के केतन अग्रवाल की तरह अपनी मंगेतर सिया या सोनम के हाथों जान गंवा सकते हैं।

पहले ये सब फिल्मी परदे या ओटीटी चैनल पर देखने को मिलता था लेकिन अब आए दिन कथित माडर्न लिबरल गर्ल्स से लेकर अनपढ़ गंवार समझी जाने वाली ग्रामीण युवतियां भी अपने प्रेमियों के हाथों पति का नृशंस कत्ल करा कर फर्जी कहानियां गढ़ कर मगरमच्छी आंसू बहा देती है। बाद में पुलिस इन वारदातों का अनावरण कर ऐसा सच सामने लाती है कि कलेजा कांप जाता है।

महाराष्ट्र के पुणे से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। पुणे के एक नामी रियल एस्टेट कंपनी के डायरेक्टर केतन विशाल अग्रवाल के हत्या के मामले में अब जैसे-जैसे खुलासे सामने आ रहे हैं, वैसे-वैसे ये मामला और बड़ा और भयावह बनता जा रहा हैशुरूआत से बात करें तो केतन की मौत लोहगढ़ किले की खाई में गिरने से हुई और इसे पहले महज एक हादसा समझा जा रहा था, लेकिन अब जब सच सामने आया तब यह हत्या का मामला बन गया है। मामले में पुलिस ने केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन बाबूलाल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही दोनों आरोपियों को सात दिन की पुलिस हिरासत भेजा गया है।

बता दें कि केतन और सिया की सगाई इसी साल फरवरी में हुई थी और नवंबर में राजस्थान के एक महल में उनकी शाही शादी होने वाली थी। दोनों 6 जून को प्री-वेडिंग फोटोशूट के लिए इंडोनेशिया के बाली जाने वाले थे।खबरों के मुताबिक दोनों परिवारों ने राजस्थान में शादी के लिए 17 करोड़ रुपये में एक महल बुक किया था और मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए दो प्राइवेट प्लेन का भी इंतजाम किया गया था। बाली जाने के लिए जब वे मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे, तो बाकी सबके पासपोर्ट सुरक्षित थे, लेकिन सिर्फ केतन का पासपोर्ट गायब था। यह सिया गोयल की जानबूझकर साजिश थी ताकि पासपोर्ट न होने के कारण केतन बाली नहीं जा सका और उसे एयरपोर्ट से वापस लौटना पड़ा। पिता का आरोप है कि यह पूरी तरह सोची-समझी साजिश थी ताकि ट्रिप कैंसिल हो जाए।जानकारी के अनुसार बाली ट्रिप कैंसिल होने के बाद सिया ने एक नया प्लान बनाया। 19 जून को सिया का जन्मदिन था। केतन के पिता के मुताबिक, सिया ने जिद की और झगड़ा करके केतन को 18 जून को ही प्री-बर्थडे सेलिब्रेशन के लिए पुणे के पास लोहगढ़ किले चलने के लिए राजी कर लिया।

इसके बाद केतन 18 जून की सुबह 8:20 बजे घर से निकला। करीब ढाई घंटे बाद, सुबह 10:45 बजे सिया की मां का फोन केतन के परिवार के पास आया कि केतन लोहगढ़ किले की घाटी में गिर गया है। सिया ने पुलिस को बताया कि तेज हवाओं के कारण पैर फिसलने से केतन 400 फीट गहरी खाई में गिर गया। पुलिस ने भी शुरूआत में इसे एक दर्दनाक हादसा मानकर केस दर्ज किया था।

केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने बताया कि जब पुलिस केतन का शव लेकर आई, तो सिया के बर्ताव ने सबको चौंका दिया। उन्होंने बताया कि जब किसी महिला के मंगेतर या पति की मौत होती है, तो वह टूट जाती है। लेकिन सिया के चेहरे या व्यवहार में दुख का कोई नामोनिशान नहीं था। वह बिल्कुल सामान्य दिख रही थी। यही पहली बात थी जिसने हमें झकझोर दिया, लेकिन उस वक्त अस्पताल भागने की जल्दी में हमने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया।

पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ में एक बड़े कारोबारी के बेटे केतन अग्रवाल की लोहगढ़ किले की खाई में गिरने से मौत हो गई, जिसे पहले हादसा समझा गया था लेकिन बाद में हत्या निकली। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने मिलकर उसे मारकर खाई में धकेला था, दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

आपको बता दें इसी तर्ज पर एक साल पहले इंदौर के 29 वर्षीय ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की उसकी नवविवाहिता पत्नी सोनम ने अपने दोस्तों की मदद से हत्या की थी राजा रघुवंशी की शादी 11 मई 2025 को 25 वर्षीय सोनम रघुवंशी से हुई थी। शादी के बाद दोनों 20 मई 2025 को हनीमून के लिए मेघालय के शिलांग गए थे। 23 मई 2025 को चेरापुंजी (सोहरा) के पास एक होमस्टे से निकलने के बाद राजा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। शुरूआत में इसे सामान्य गुमशुदगी या लूटपाट का मामला दिखाने की कोशिश की गई।बाद में सोनम और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह

मेरठ का सबसे चर्चित और रूह कंपा देने वाला मामला है। इसमें मुख्य आरोपी मुस्कान रस्तोगी नाम की महिला है।मार्च 2025 में मुस्कान रस्तोगी ने अपने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत की बेरहमी से हत्या कर दी। सौरभ को पहले नशीली दवा दी गई, फिर चाकू और उस्तरे से उसका गला रेता गया। शव को कई टुकड़ों में काटकर एक नीले ड्रम में डाला गया और बदबू छिपाने के लिए उसे सीमेंट और रेत के मिक्सर से जमा दिया गया। सौरभ अपनी बेटी को अपने साथ लंदन ले जाना चाहता था, लेकिन मुस्कान मेरठ में अपने प्रेमी के साथ रहना चाहती थी।

सवाल उठता है कि भारतीय समाज किधर जा रहा है। भारतीय समाज में एक आदर्श महिला का चरित्र पारंपरिक मूल्यों और आधुनिक प्रगति का एक अनूठा संगम है। इसे मुख्य रूप से त्याग, सहनशीलता, संस्कार, पारिवारिक एकजुटता, और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों के आधार पर परिभाषित किया जाता है। क्या भारतीय महिलाओं की पहचान अब सीता गार्गी कुन्ती तारा शबरी मंदोदरी द्रोपदी मैत्रेयी मदालसा देवहूति अरूंधती से न होकर सोनम मुस्कान और सिया गोयल जैसी पथभ्रष्ट युवतियों से होगी?

मादक पदार्थों का बढ़ता साम्राज्य और सिमटते सपने

ड्रग्स के दलदल में धंसती युवा पीढ़ी...

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के सपनों, ऊर्जा और सृजनशीलता पर निर्भर करता है लेकिन जब यही युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आने लगे तो यह केवल एक सामाजिक समस्या नहीं रह जाती बल्कि राष्ट्रीय संकट का रूप धारण कर लेती है। आज भारत सहित दुनिया के अनेक देशों के सामने यही चुनौती खड़ी है। युवाओं की प्रतिभा, उनकी सोच, उनकी रचनात्मकता और उनके भविष्य पर नशे का ऐसा ग्रहण लग रहा है, जो न केवल परिवारों को बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को भीतर से खोखला कर रहा है। इसी गंभीर चुनौती के प्रति वैश्विक जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि पूरी मानवता को चेताने का अवसर है कि यदि नशे के बढ़ते दुष्चक्र को समय रहते नहीं रोका गया तो इसके परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतने पड़ेंगे।

भारत में नशे की समस्या अब महानगरों तक सीमित नहीं रही। यह गांवों, कस्बों, छोटे शहरों और यहां तक कि स्कूलों तथा कॉलेजों तक पहुंच चुकी है। कभी माना जाता था कि नशीले पदार्थों का सेवन केवल संपन्न वर्ग या शहरी संस्कृति की समस्या है लेकिन आज वास्तविकता इससे कहीं अधिक भयावह है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन, सिंथेटिक ड्रग्स और इंजेक्शन के माध्यम से लिए जाने वाले नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। यह स्थिति बताती है कि नशे का नेटवर्क अब समाज की हर परत तक पहुंच चुका है। आज का युवा अनेक प्रकार के दबावों से घिरा हुआ है। प्रतिस्पर्धा, बेरोजगारी, सामाजिक अपेक्षाएं, पारिवारिक तनाव, मानसिक अवसाद, अकेलापन और त्वरित सफलता की चाह उसे भीतर से कमजोर बना रही है। ऐसे में नशे के सौदागर युवाओं की इन्हीं कमजोरियों का फायदा उठाकर उन्हें अपने जाल में फंसा लेते हैं। कई बार मित्रों का दबाव, आधुनिक दिखने की चाह, रोमांच की तलाश या क्षणिक सुख का आकर्षण युवाओं को नशे की ओर धकेल देता है। शुरूआत अक्सर जिज्ञासा से होती है लेकिन धीरे-धीरे यही जिज्ञासा लत और फिर विनाश का कारण बन जाती है।

इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने जहां ज्ञान के नए द्वार खोले हैं, वहीं नशे के कारोबार को भी नए साधन उपलब्ध कराए हैं। सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप्स और डार्क वेब के माध्यम से मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त पहले से कहीं अधिक आसान हो गई है। अब नशे का सौदा किसी सुनसान गली तक सीमित नहीं बल्कि स्मार्टफोन की स्क्रीन तक पहुंच चुका है। यही कारण है कि कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में नशे की पहुंच चिंताजनक रूप से बढ़ती जा रही है। आज देश के अनेक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में नशीले पदार्थों की उपलब्धता को लेकर समय-समय पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। यह विडंबना ही है कि जिन परिसरों में देश के भविष्य का निर्माण होना चाहिए, वहां कुछ युवा अपने भविष्य को स्वयं नष्ट करने की राह पर बढ़ रहे हैं। आधुनिकता और स्वतंत्रता की गलत व्याख्या ने भी इस समस्या को बढ़ाया है। कई युवाओं को यह भ्रम होता है कि नशा उन्हें अधिक आत्मविश्वासी, रचनात्मक और आधुनिक बनाता है, जबकि वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत है। नशा व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को धीरे-धीरे समाप्त कर देता है। उसकी निर्णय लेने की शक्ति कमजोर हो जाती है, स्मरणशक्ति प्रभावित होती है, एकाग्रता घटती है और मानसिक संतुलन बिगड़ने लगता है। जो युवा अपने जीवन में बड़े सपने लेकर आगे बढ़ता है, वही नशे की गिरफ्त में आकर अपनी प्रतिभा और संभावनाओं को स्वयं नष्ट कर देता है। यही कारण है कि नशे को केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं बल्कि मानव संसाधन के विनाश की समस्या माना जाता है।

नशीले पदार्थों का सबसे घातक प्रभाव यह है कि वे व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक दोनों रूपों से गुलाम बना देते हैं। एक बार लत लग जाने पर व्यक्ति उसी प्रभाव को बनाए रखने के लिए लगातार अधिक मात्रा में नशा लेने लगता है। परिणामस्वरूप उसका शरीर कमजोर होने लगता है, भूख कम हो जाती है, वजन घटता है, आंखें लाल रहने लगती हैं, नींद प्रभावित होती है, चिड़चिड़ापन बढ़ता है और अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। कई मामलों में व्यक्ति आत्मघाती प्रवृत्तियों का शिकार भी हो जाता है। इंजेक्शन के माध्यम से नशा करने वालों के सामने खतरा और भी गंभीर होता है। एक ही सुई के बार-बार उपयोग से एचआईवी, हेपेटाइटिस और अन्य संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ जाती है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बन जाता है।

नशे का अवैध व्यापार दुनिया के सबसे लाभकारी अपराधों में शामिल है। अरबों-खरबों रुपये का यह कारोबार अंतर्राष्ट्रीय तस्करी, आतंकवाद, संगठित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। भारत की भौगोलिक स्थिति इसे गोल्डन क्रेसेंट और गोल्डन ट्रायंगल जैसे नशीले पदार्थों के प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों के बीच महत्वपूर्ण मार्ग बनाती है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार और अन्य पड़ोसी क्षेत्रों से आने वाली तस्करी की खेपें भारत के लिए लगातार चुनौती बनी हुई हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ड्रग्स का यह अवैध कारोबार अब अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रहा है। ड्रोन, एन्क्रिप्टेड संचार माध्यम, फर्जी पहचान और डिजिटल भुगतान प्रणालियां तस्करों को नई ताकत प्रदान कर रही हैं। ऐसे में केवल पारंपरिक पुलिसिंग से इस समस्या पर नियंत्रण संभव नहीं है। इसके लिए तकनीकी, सामाजिक और कानूनी स्तर पर व्यापक रणनीति की आवश्यकता है।

भारत में हालांकि मादक पदार्थों की तस्करी और सेवन को रोकने के लिए कड़े कानून मौजूद हैं लेकिन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की चुनौती अभी भी बनी हुई है। नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस, प्रशासन या सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती, यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। परिवारों को अपने बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा। शिक्षण संस्थानों को नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाने होंगे। धार्मिक और सामाजिक संगठनों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। दरअसल नशे के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार जागरूकता, शिक्षा और सकारात्मक वातावरण है। यदि युवाओं को बेहतर शिक्षा, रोजगार, खेल, कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाए तो वे नशे जैसे विनाशकारी रास्तों से दूर रह सकते हैं। हमें युवाओं को केवल नशे के दुष्परिणाम बताने तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उन्हें जीवन का सकारात्मक उद्देश्य भी देना होगा।

अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस हमें यही संदेश देता है कि नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक दिन का अभियान नहीं बल्कि सतत सामाजिक आंदोलन है। यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो सबसे पहले उसकी युवा शक्ति को नशे के अंधकार से मुक्त करना होगा। देश की युवा सोच पर लगा यह ग्रहण तभी हटेगा, जब सरकार, समाज, परिवार और स्वयं युवा मिलकर इस चुनौती का सामना करेंगे। आज आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं के हाथों में नशे की पुड़िया नहीं, ज्ञान की पुस्तक हो; उनकी आंखों में नशे का धुंधलापन नहीं, सपनों की चमक हो; और उनकी सोच पर नशे का ग्रहण नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का उज्ज्वल प्रकाश हो। यही नशा-मुक्त भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव भी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं तथा नशे के दुष्प्रभावों पर 1993 में पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिख चुके हैं)

पराग पार्लर में नियमों के विरुद्ध हो रही खाद्य सामग्री की बिक्री, जीएम बोले जाँच कर करेंगे कार्रवाई

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- सरकारी योजनाओं के तहत आम जनता को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पराग डेयरी ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में पार्लर स्थापित किए हैं। इसी क्रम में जनपद अमरोहा के गजरौला में विकास खंड परिसर में पराग डेयरी को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए 15७15 फीट की जगह आवंटित की गई है। अनुबंध के अनुसार इस पार्लर में केवल पराग डेयरी द्वारा निर्मित दूध, घी, पनीर, मक्खन, छाछ, लस्सी व अन्य दुग्ध उत्पादों की ही बिक्री की जानी है। इसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को मिलावट रहित उत्पाद उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना है। लेकिन जमीनी हकीकत अनुबंध से अलग नजर आ रही है। गजरौला स्थित इस पराग पार्लर को अब होटल का रूप दे दिया गया है। पार्लर परिसर में कुर्सी-मेज लगाकर ग्राहकों को बैठाया जा रहा है। पराग के उत्पादों के साथ-साथ कड़ाई, पनीर, दाल, मखनी, मलाई, चाप, छोले भठूरे, आलू पकोड़ा ब्रेड पकोड़ा व अन्य खाने-पीने का सामान खुलेआम बेचा

पराग के नाम पर आम जनमानस को गुमराह कर रहा पराग पार्लर

जा रहा है। इससे न केवल पराग डेयरी की मूल मंशा पर सवाल उठ रहे हैं बल्कि सरकारी जगह के दुरुपयोग का मामला भी सामने आ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि विकास खंड परिसर में पराग पार्लर इसलिए दिया गया था ताकि किसान व आम जनता को शुद्ध दूध उत्पाद मिलें। लेकिन यहां तो पूरा रेस्टोरेंट चल रहा है। सुबह से शाम तक भीड़ लगी रहती है और पराग के नाम पर अन्य कंपनियों का सामान बिक रहा है। इससे लोगों को भ्रम हो रहा है कि यह सब पराग का ही उत्पाद है। नियमों के अनुसार पराग पार्लर में बाहरी खाद्य सामग्री की बिक्री पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है। 15७15 की जगह केवल पराग उत्पादों के डिस्प्ले व बिक्री के लिए है। किसी भी तरह का व्यावसायिक रसोई कार्य या बैठाकर खिलाने की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद पार्लर संचालक नियमों को ताक पर रखकर मनमानी कर रहे हैं। इस मामले को लेकर जब सब का सपना संवाददाता ने पराग डेयरी दलपतपुर के जीएम से बात की तो उन्होंने हैरानी जताई। जीएम ने कहा कि हमारे द्वारा गजरौला में पार्लर केवल पराग द्वारा निर्मित खाद्य सामग्री की बिक्री के लिए खोला गया है। अनुबंध में यह स्पष्ट है कि अन्य कोई सामग्री नहीं बेची जाएगी। अगर पार्लर में अलग से कुछ भी बेचा जा रहा है तो यह पूरी तरह गलत है। जीएम ने आगे कहा कि आपके द्वारा मामले की जानकारी मिली है। जल्द ही टीम भेजकर मौके का निरीक्षण कराया जाएगा। यदि नियम विरुद्ध बिक्री की पुष्टि होती है तो संचालक का आवंटन निरस्त करने के साथ विधिक कार्रवाई भी की जाएगी। पराग डेयरी अपने उपभोक्ताओं की सेहत व विश्वास से कोई समझौता नहीं करेगी। स्थानीय लोगों व सामाजिक कार्यकताओं ने जिला प्रशासन व पराग प्रबंधन से मांग की है कि पार्लर की नियमित जांच की जाए। सीसीटीवी से निगरानी हो और हर तीन माह में भौतिक सत्यापन कराया जाए। ताकि सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग रोका जा सके और उपभोक्ताओं को शुद्ध उत्पाद मिलें। लोगों का यह भी कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो वे जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बड़े आंदोलन की तैयारी करेंगे।

पराग जैसे ब्रांड का नाम जुड़ने से लोगों का भरोसा होता है, लेकिन नियम तोड़कर उस भरोसे को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। फिलहाल गेंद अब पराग प्रबंधन व प्रशासन के पाले में है। देखना होगा कि जांच के बाद क्या कार्रवाई होती है और गजरौला का पराग पार्लर दोबारा केवल दुग्ध उत्पाद केंद्र बन पाता है या नहीं।

पत्नी को बुलाने के लिए खुद को मारी गोली, झूठी वारदात रचने वाला गिरफ्तार

हसनपुर (अमरोहा):- पत्नी से विवाद के चलते सहानुभूति पाने के लिए खुद को गोली मारकर झूठी वारदात रचने वाले युवक को हसनपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से वारदात में प्रयुक्त अवैध 315 बोर का तमंचा और नाल में फंसा खोखा भी बरामद हुआ है। एसपी लखन सिंह यादव के निर्देशन में सीओ हसनपुर पंकज त्यागी के पर्यवेक्षण और प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस ने इस मामले का खुलासा किया। पुलिस के अनुसार 24 जून को तेजपाल निवासी ग्राम माछरा भगवानपुर ने तहरीर दी थी कि उसके भाई मनोज को अज्ञात लोगों ने गोली मार दी है। तहरीर पर

थाना हसनपुर में मु0अ0सं0-378/2026 धारा 109(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार को सौंपी गई। विवेचना और घटनास्थल के निरीक्षण में पुलिस को कहानी संदिग्ध लगी। घायल मनोज से सख्ती से पूछताछ की गई तो सच सामने आ गया। मनोज ने कबूल किया कि पत्नी से विवाद के चलते उसने खुद ही अपने बाएं हाथ में गोली मारी थी। पूछताछ में मनोज पुत्र रूपचन्द ने बताया कि करीब एक माह पहले उसकी पत्नी नाराज होकर मायके चली गई थी। 23 जून को वह अपने भाई के साथ दिल्ली रहने चली गई। इससे क्षुब्ध होकर मनोज ने शराब के नशे में सहानुभूति बटोरने और पत्नी को वापस बुलाने के लिए यह नाटक रचा। अवैध तमंचे से खुद को गोली मारकर बड़े भाई को बताया कि बाग में अज्ञात लोगों ने फायरिंग की है। पुलिस ने अभियुक्त की निशानदेही पर बाग की झाड़ियों से 315 बोर का तमंचा व खोखा बरामद किया। जांच में धारा 109(1) बीएनएस का लोप कर 3/25 आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी की गई है। आरोपी मनोज को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गर्भवती महिला से मारपीट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

मारपीट में घायल महिला का इलाज के दौरान गिर गया था तीन माह का गर्भ

रहरा/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के थाना रहरा पुलिस ने गर्भवती महिला के साथ मारपीट करने व इलाज के दौरान गर्भ गिरने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर दिया है। एसपी लखन सिंह यादव के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध विरोधी अभियान के तहत एएसपी अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन और सीओ हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के पर्यवेक्षण में थाना रहरा पुलिस ने यह कार्रवाई की। ज्ञात रहे कि 23 जून को पुरुषोत्तम पुत्र हेमराज सिंह

निवासी ग्राम फरौटा की मढैया, थाना रहरा ने तहरीर दी थी। तहरीर में बताया गया कि आरोपी मनोज पुत्र अतर सिंह निवासी फरौटा की मढैया व दो अज्ञात साथियों ने रास्ते में रोककर उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट की। जिसके बाद वादी को बचाने आई उसकी पत्नी पूजा के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। आरोप है कि मनोज ने गर्भवती पूजा के पेट में लात मार दी, जिससे इलाज के दौरान उसका तीन माह का गर्भ गिर गया। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी थी। तहरीर के आधार पर थाना रहरा में पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 153/2026 धारा 126 (2)/ 352/ 115(2)/ 89/ 351 (2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना रहरा पुलिस ने बुधवार को वांछित अभियुक्त मनोज पुत्र अतर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। खबर लिखे जाने तक आरोपी को संबंधित न्यायालय अमरोहा भेजा जा रहा था।

अमरोहा में वन महोत्सव अभियान की जोरदार तैयारियां

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में वन महोत्सव अभियान को सफल बनाने के लिए वन विभाग द्वारा सभी स्तर पर तैयारियां तेजी से चल रही हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने पौधरोपण स्थलों का चयन, पौधों की व्यवस्था और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर समीक्षा बैठकें की हैं।प्रभागीय वनाधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि वन विभाग को जनपद में साढ़े 12 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। वहीं जनपद के अन्य विभागों को 10 लाख 50 हजार

900 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। पूरे जनपद का कुल लक्ष्य 32 लाख 900 पौधे लगाने का है। उन्होंने कहा कि एक जुलाई से वन महोत्सव अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। इस दौरान जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग, एनएसएस, एनसीसी तथा विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जाएगा। प्रभागीय वनाधिकारी राजीव कुमार ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार पेड़ों की संख्या कम होती जा रही है। आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण, अच्छा भविष्य और संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र उपलब्ध कराने के लिए पौधरोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और लगाए गए पौधों को संरक्षण भी दें ताकि जिले में हरियाली बढ़ सके।

डिडौली क्षेत्र में दो पक्षों में विवाद के दौरान चले चाकू-छुरे, कई लोग घायल, केस दर्ज

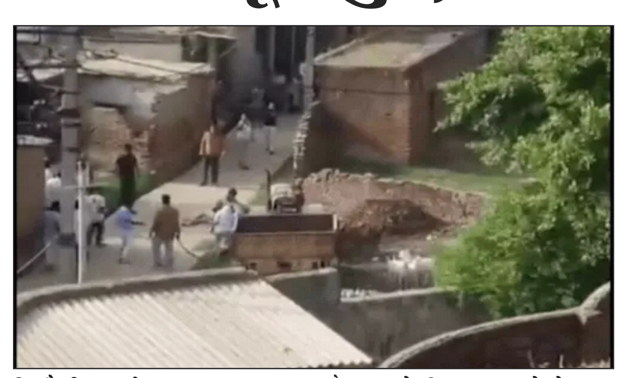

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में मामूली विवाद के चलते दो पक्षों में चाकू छुरे चल गए, जिसमें दोनों पक्षों की तरफ से कई लोग घायल हो गए। इस मामले में पुलिस ने 16 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है,वहीं विवाद में घायल हुए लोगों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है और इस मामले में पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बता दें कि इस मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के गांव कनपुरा में किसी मामूली बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया था देखते ही देखते यह विवाद खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर चाकू छुरे चले जिसमें दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। इस खूनी संघर्ष से पूरे गांव में अफरा तफरी व तनाव का माहौल बन गया।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। बताया गया है कि किसी बात को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया और एक-दूसरे पर चाकू-छुरों से हमला किया गया। इस संघर्ष से गांव में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया। परिजनों और ग्रामीणों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। यह घटना तीन दिन पुरानी बताई जा रही है, लेकिन इससे जुड़े वीडियो गुरुवार को सामने आए।डिडौली थाना प्रभारी जितेंद्र बालियान ने बताया कि इस मामले में दोनों पक्षों के आठ-आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कार्यवाही की जा रही है।

रोटरी क्लब हसनपुर आस्था का सत्र समापन एवं नवीन पदभार ग्रहण समारोह संपन्न

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- रोटरी क्लब हसनपुर आस्था का सत्र समापन कार्यक्रम, धन्यवाद समारोह तथा सत्र 2026-27 के अध्यक्ष एवं सचिव का पदभार ग्रहण समारोह मंगलवार 24 जून को सायं 8:00 बजे सुखदेव रेस्टोरेंट, मुरादाबाद रोड गजरौला में धूमधाम से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन क्लब अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. तीर सिंह सिरोही के सौजन्य से किया गया।सत्र 2025-26 के समापन अवसर पर क्लब अध्यक्ष डॉ. तीर सिंह सिरोही ने सभी रोटेरियन साथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पूरे वर्ष में क्लब ने सेवा के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय कार्य किए, जो सभी सदस्यों के सहयोग व समर्पण से ही संभव हो सका। इस अवसर पर अध्यक्ष द्वारा सभी रोटेरियन को स्मृति उपहार भेंट कर उनके योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। समारोह में क्लब के वरिष्ठ रोटेरियन कृष्ण अवतार अग्रवाल एवं रोटेरियन विनय गुप्ता का माल्यार्पण कर विशेष आभार व्यक्त किया गया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि सत्र 2025-26 में अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. तीर सिंह सिरोही तथा सचिव रोटेरियन सुनील कुमार भटनागर के नेतृत्व में क्लब ने मंडल स्तर पर नए कीर्तिमान स्थापित किए। सामाजिक सेवा, स्वास्थ्य शिविर, शिक्षा व पर्यावरण के क्षेत्र में क्लब की सक्रियता सराहनीय रही। इसके लिए सभी सदस्यों ने अध्यक्ष एवं सचिव का माल्यार्पण कर तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। आभार सभा के उपरांत सत्र 2026-27 के लिए नवीन कार्यकारिणी का पदभार ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। नवनियुक्त अध्यक्ष रोटेरियन ब्रह्म दत्त त्यागी तथा सचिव रोटेरियन विनोद कुमार सक्सेना को विधिवत पदभार ग्रहण कराया गया। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष डॉ. तीर सिंह सिरोही द्वारा नवनियुक्त अध्यक्ष ब्रह्म दत्त त्यागी को कॉलर पहनाकर शुभकामनाएं दी गईं। सभी सदस्यों ने नवनियुक्त अध्यक्ष एवं सचिव का माल्यार्पण कर व स्मृति चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया। अपने संबोधन में नवनियुक्त अध्यक्ष ब्रह्म दत्त त्यागी ने कहा कि क्लब की परंपरा और सेवा भाव को आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने सभी सदस्यों से आगामी सत्र में भी पूर्व की तरह सहयोग व समर्थन की अपेक्षा की। सचिव विनोद कुमार सक्सेना ने भी क्लब को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब हसनपुर आस्था के सभी रोटेरियन सपरिवार उपस्थित रहे। अंत में सहभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। संचालन को सभी ने सराहा।

धनौरा में डिजिटल ई-रजिस्ट्री के खिलाफ अधिवक्ताओं का प्रदर्शन जारी, भाकियू लोकशक्ति व सपा का मिला समर्थन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की मंडी धनौरा में डिजिटल रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में स्थानीय बार एसोसिएशन धनौरा के बैनर तले अधिवक्ताओं और दस्तावेज लेखकों की अनिश्चितकालीन 'कलमबंद' हड़ताल गुरुवार को भी जारी रही। पिछले दो सप्ताह से चल रही इस हड़ताल के कारण अमरोहा जनपद की चारों तहसीलों धनौरा, अमरोहा, नौगावां सादात और हसनपुर में बैनामे व रजिस्ट्री का कार्य पूरी तरह ठप पड़ा है।इस हड़ताल से आम जनता और वादकारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, मंडी धनौरा में अब तक डेढ़ करोड़ रुपये और पूरे जिले में आठ करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व का नुकसान हो चुका है। बता दें कि इस आंदोलन को गुरुवार को उस समय और मजबूती मिली, जब भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) और समाजवादी पार्टी के नेताओं ने धरना स्थल पर पहुंचकर वकीलों की मांगों का पुरजोर समर्थन किया। भाकियू लोक शक्ति के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार द्वारा थोपी जा रही ऑनलाइन डिजिटल व्यवस्था व्यावहारिक नहीं है।संगठन ने तर्क दिया कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को अत्यधिक तकनीकी जटिलताओं और तहसील के चक्कर काटने के कारण भारी मानसिक व आर्थिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है।

भाकियू लोक शक्ति ने इसे के राष्ट्रीय सचिव सुमित कुमार नागर ने 'काला कानून' बताते हुए कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष करने का ऐलान किया।वहीं, समाजवादी पार्टी के नेता आलोक कुमार भारती ने भी 39 विधानसभा समाजवादी पार्टी की ओर से आंदोलन को पूर्ण और सकारात्मक समर्थन देने की घोषणा की।धरने में मुख्य रूप से बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप गुप्ता, महासचिव हितेश कुमार, लता सागर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयप्रकाश सैनी, अनुराग, पंकज यादव, रविन्द्र यादव, किरणपाल सिंह, विवेक, विनोद कुमार शास्त्री, मूलचंद त्यागी, सहदेव भारती, भरत सिंह सैनी, राहत चौधरी, शिवकुमार सैनी, यामीन एडवोकेट, ओमवीर सैनी, हितेश टोनिया, राजपाल सिंह, राजीव सैनी, अशोक त्यागी, शाहनवाज सैफी, प्रदीप अग्रवाल, कपिल यादव, अनुज त्रिवेदी, मौ. शाहनवाज, अशरफ सिद्दीकी, सर्वेश शर्मा, अरशद चौधरी, चन्द्रकिरण, पुष्पेंद्र कुमार, संजय गौतम और नूर मौहम्मद सहित भारी संख्या में अधिवक्ता, दस्तावेज लेखक, स्टांप विक्रेता और किसान कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ढवारसी, आदमपुर, रहरा, बुरावली में धड़ल्ले से हो रही अवैध प्लाटिंग, प्रशासन द्वारा कार्यवाही न होने पर उठ रहे सवाल

प्रॉपर्टी डीलर कृषि भूमि को आवासीय बताकर कर रहे ग्रामीणों को गुमराह, हर दिन शुरू हो रही अवैध प्लाटिंग

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध प्लॉटिंग का कारोबार तेजी से पनप रहा है। ढवारसी, आदमपुर, रहरा और बुरावली में प्रॉपर्टी डीलर किसानों की कृषि भूमि को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर बेच रहे हैं। भोली-भाली जनता को आवासीय जमीन बताकर झांसे में लिया जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि डीलर खेतों में मिट्टी डलवाकर कच्चे रास्ते बना देते हैं। नाली और बिजली के खंभे के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जाती है। रजिस्ट्री में जमीन कृषि भूमि दर्ज होने के बाद भी ग्राहकों को आवासीय प्लॉट कहकर महंगे दामों पर बेचा जा रहा है। प्रॉपर्टी डीलर ग्रामीणों से कहते हैं कि आज नहीं लोगे तो कल रेट दोगुना हो जाएगा ऐसा कहकर लोगों को फंसाया जाता है। न सीवर, न पानी, न पक्की सड़क की गारंटी दी जाती है। भविष्य

ढवारसी में एक और कृषि भूमि पर भराव डालकर प्लाटिंग करने की तैयारी

में मकान बनाने पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई का डर बना रहता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि शिकायत के बाद भी प्रशासन तुरंत कार्रवाई नहीं करता। जांच के नाम पर महीनों निकल जाते हैं और तब तक डग्गामार प्रॉपर्टी डीलर पूरी कॉलोनी बेच चुके होते हैं। लेखपाल से लेकर तहसील तक सबको जानकारी है, फिर भी अवैध प्लॉटिंग पर रोक नहीं लग पा रही। नियमों के अनुसार कृषि भूमि को आवासीय में बदलने के लिए धारा-80 के तहत भू-उपयोग परिवर्तन अनिवार्य है। बिना ले-आउट पास कराए और विकास प्राधिकरण की अनुमति के बिना प्लॉटिंग पूरी तरह अवैध है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि अवैध कॉलोनियों का सर्वे कराया जा रहा है। बिना अनुमति प्लॉटिंग मिलने पर मुकदमा दर्ज कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

बहजोई की राइस मिल में दर्दनाक हादसा, दो मजदूरों की मौत, पुलिस जांच में जुटी

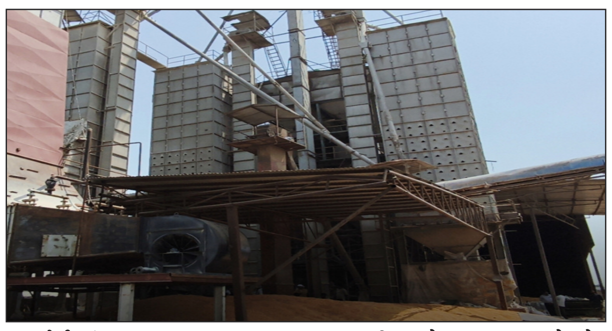

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई स्थित एसआर राइस मिल में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में दो मजदूरों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद मिल परिसर में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार मुरादाबाद के थाना मुंडापांडे क्षेत्र के ग्राम समदा सहाय निवासी 32 वर्षीय ओमपाल पुत्र वीरपाल और 42 वर्षीय विजयपाल पुत्र सिपट्टर सिंह एसआर राइस मिल में कम कर रहे थे। ओमपाल मजदूर जबकि विजयपाल फोरमैन के पद पर कार्य कर रहे थे। बताया गया कि बीती रात मक्का से नमी मॉइश्चर हटाने वाली मशीन के लगभग 15 से 20 फीट गहरे चैंबर में उतरकर ओमपाल काम कर रहा था। इसी दौरान चैंबर में मौजूद जहरीली गैस की चपेट में आने से वह बेहोश हो गया। ओमपाल को बचाने के लिए फोरमैन विजयपाल तुरंत नीचे उतरा, लेकिन वह भी जहरीली गैस के प्रभाव से बेहोश हो गया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर गुरुवार सुबह पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार बिश्नोई ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मक्का मॉइश्चर हटाने वाली मशीन और चैंबर का जायजा लेकर अधिकारियों से पूरी जानकारी प्राप्त की। थाना प्रभारी बहजोई राजीव कुमार मलिक ने बताया कि दोनों मृतक मिल परिसर में बने आवास में रहते थे। राइस मिल में करीब 10 मजदूर कार्यरत हैं। मृतक विजयपाल अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चों एक बेटी व दो बेटों को छोड़ गए हैं, जबकि ओमपाल अविवाहित थे। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि प्रथम दृष्टया दोनों की मौत जहरीली गैस के कारण हुई प्रतीत होती है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। वहीं फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा परिजनों से संपर्क कर सहायता का आश्वासन दिया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

यातायात पुलिस की तत्परता से महिला को मिला शादी का कीमती सामान, लोगों ने की सराहना

संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार के निर्देशन में गुरुवार को चंदौसी चौराहे पर तैनात यातायात पुलिसकर्मियों ने अपनी तत्परता और ईमानदारी का परिचय देते हुए एक महिला का खोया हुआ सामान बरामद कर उसे सकुशल वापस दिलाया। जानकारी के अनुसार चंदौसी चौराहे पर मुख्य आरक्षी सचिन कुमार और होमगार्ड अर्जुन सिंह यातायात ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान नूरियो सराय निवासी लता पत्नी रंजीत वहां पहुंचीं और बताया कि वह मुरादाबाद की ओर से एक सफेद ऑटो रिक्शा में आ रही थीं। चंदौसी चौराहे पर उतरने के बाद उन्हें पता चला कि उनकी अटैची बैग ऑटो में ही छूट गई है। बैग में शादी से संबंधित कीमती सामान रखा हुआ था, जिससे वह काफी परेशान हो गईं। महिला की समस्या सुनते ही मुख्य आरक्षी सचिन कुमार ने उन्हें आश्वस्त किया कि उनका सामान जल्द ही खोज लिया जाएगा। इसके बाद उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए ऑटो रिक्शा की तलाश शुरू की और कुछ ही समय में सम्भल बाजार क्षेत्र से ऑटो को खोज निकाला। ऑटो को चंदौसी चौराहे पर लाकर उसमें रखा अटैची बैग सुरक्षित अवस्था में बरामद कर महिला को सुपुर्द कर दिया गया। अपना कीमती सामान वापस मिलने पर महिला ने यातायात पुलिस का आभार व्यक्त किया। वहीं मौके पर मौजूद लोगों ने भी पुलिसकर्मियों की तत्परता, जिम्मेदारी और जनसेवा की भावना की सराहना की।

प्राचीन शिव मंदिर में वार्षिक भंडारे का किया गया आयोजन

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- तहसील परिसर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में आयोजित वार्षिक भंडारे का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक सौहार्द के वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों तथा क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने पहुंचकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान नायब तहसीलदार राजकमल ने समाजसेवी एवं साहित्यकार अनिल शर्मा 'अनिल' सहित अन्य अतिथियों और आयोजकों का पटका पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। इस सम्मान से अभिभूत अनिल शर्मा 'अनिल' ने कहा कि यह उनके लिए अत्यंत सुखद और स्मरणीय क्षण है।उन्होंने कहा कि इस सम्मान और आत्मीयता का वास्तविक श्रेय उनके साहित्यकार मित्र एवं लेखपाल अशोक कुमार को जाता है, जिनके स्नेहिल निमंत्रण के कारण उन्हें इस धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन में सम्मिलित होने, प्रसाद ग्रहण करने तथा अनेक सम्मानित व्यक्तित्वों के सान्निध्य का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करते हैं, बल्कि समाज में आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव को भी बढ़ावा देते हैं। इस अवसर पर नायब तहसीलदार राजकमल , लेखपाल अशोक कुमार , पंकज , प्रवीण नागर , पुनीत कुमार , योगेन्द्र , आशीष त्यागी सहित अनेक सम्मानित व्यक्तित्व उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे से आत्मीय संवाद किया तथा समाज में सेवा, सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। भंडारे में श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा के साथ प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक उल्लास, सौहार्द और सेवा भावना का वातावरण बना रहा। उपस्थित लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं का सुंदर उदाहरण बताया।

प्राचीन शिव मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन, भक्तिमय माहौल में गूंजे भजन

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- स्वामी भूमानंद सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में सम्भल गेट स्थित प्राचीन शिव मंदिर एवं मां पूर्णागिरि नवदुर्गा मिलक मंदिर परिसर में गुरुवार को 1262वें सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया और भक्ति रस में सराबोर हो गए। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित अनेक शर्मा द्वारा विधिविधान से पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इसके उपरांत ट्रस्ट अध्यक्ष केजी शर्मा एवं राजेश शंखधार ने गणेश वंदना, सरस्वती वंदना, हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का भावपूर्ण पाठ प्रस्तुत किया। वहीं राजू शर्मा ने सुंदरकांड की चौपाइयों का विस्तृत वर्णन करते हुए उसके आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। सुंदरकांड पाठ के दौरान प्रस्तुत किए गए भजनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु राम और हनुमान भक्ति में डूबे नजर आए। ट्रस्ट अध्यक्ष केजी शर्मा ने हे दुखभंजन मारुतिनंदन, सुन लो मेरी पुकार, पवनसुत विनती बारम्बार सहित कई भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीतमय पाठ में हारमोनियम पर अशर्फी लाल, ढोलक पर राजू शर्मा तथा झांझ पर पूरी टीम ने आकर्षक संगत दी। कार्यक्रम के समापन पर सामूहिक आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस का सुंदरकांड अत्यंत महत्वपूर्ण अध्याय है। इसके नियमित पाठ से मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास और साहस की वृद्धि होती है। साथ ही जीवन की बाधाओं को दूर करने में भी यह सहायक माना जाता है। उन्होंने नई पीढ़ी से सुंदरकांड पाठ को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे युवा अपनी संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों से जुड़े रहते हैं तथा तनावपूर्ण जीवन में मानसिक संतुलन बनाए रख सकते हैं। कार्यक्रम में सर्व सुंदर गिरी महाराज, राजकुमार सक्सेना, अनिल कुमार, आलोक दुबे, राजीव शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। लगातार सुंदरकांड पाठ का आयोजन कर रहे केजी शर्मा द्वारा आयोजित यह 1262वां सुंदरकांड पाठ श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का अनूठा उदाहरण बना।

वंदे मातरम् गायन प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर हिंदू जागृति मंच की बैठक संपन्न

संभल(सब का सपना):- राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से हिंदू जागृति मंच द्वारा प्रस्तावित वंदे मातरम् गायन प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मंच के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति श्रद्धा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की भावना का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं, युवाओं, बुजुर्गों तथा संगीत प्रेमियों को भाग लेने का अवसर मिलेगा और इसमें किसी प्रकार की आयु सीमा निर्धारित नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से युवा पीढ़ी में देशभक्ति और सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने का प्रयास किया जाएगा। मंच के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगिता पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाएगी। प्रतिभागियों को वंदे मातरम् का गायन कर अपना वीडियो निर्धारित समय सीमा के भीतर भेजना होगा। प्राप्त प्रविष्टियों का मूल्यांकन विशेषज्ञ निर्णायकों द्वारा किया जाएगा तथा उत्कृष्ट प्रतिभागियों को एक भव्य समारोह में सम्मानित किया जाएगा। प्रदेश महामंत्री सुबोध कुमार गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को राष्ट्रहित और भारतीय संस्कृति से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। यह प्रतियोगिता प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ उनमें देशप्रेम और राष्ट्रीय गौरव की भावना को भी मजबूत करेगी। उन्होंने बताया कि इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों के प्रतिभागी भी हिस्सा ले सकेंगे। बैठक में शुभ्रा गुप्ता, रूपाली गुप्ता, विनोद कुमार अग्रवाल, उमेश श्रीमाली, अरविंद शुक्ला, डॉ. आलोक गुप्ता और राकेश शर्मा सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता अरुण कुमार अग्रवाल ने की, जबकि संचालन विकास कुमार वर्मा ने किया।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड और विकास कार्यों की समीक्षा, समयबद्ध गुणवत्ता पूर्ण कार्यों के दिए निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड (दर्पण पोर्टल) तथा जनपद में संचालित निमार्णाधीन विकास कार्यों की समीक्षा हेतु कार्यदायी संस्थाओं के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, दैनिक विद्युत आपूर्ति, पशुधन विकास, प्रोजेक्ट अलंकार, समाज कल्याण विभाग, सिंचाई विभाग तथा सहकारिता विभाग की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त निमार्णाधीन विकास परियोजनाओं के अंतर्गत क्रिटिकल केयर यूनिट, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज (विकास खंड असमोली), सद्भाव मंडप तथा चंदौसी रेलवे सेतु निर्माण कार्य सहित अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण कराने तथा शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए लंबित बिंदुओं का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी अनार सिंह तथा संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के जन्मदिन पर शरबत वितरण, राहगीरों को मिली गर्मी से राहत

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के जन्मदिन के अवसर पर बिसौली गेट स्थित ब्रह्मोतार मार्केट में एपीएन पावर सोलर एंटरप्राइज एवं श्री परशुराम धर्मशाला ट्रस्ट के तत्वावधान में शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राहगीरों और स्थानीय नागरिकों को ठंडा शरबत वितरित किया गया, जिससे भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच लोगों को राहत मिली। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट एवं संस्था से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने राहगीरों को शरबत पिलाकर जनसेवा का संदेश दिया। गर्मी से परेशान लोगों ने ठंडा शरबत पीकर राहत महसूस की और आयोजन की सराहना की। श्री परशुराम धर्मशाला ट्रस्ट के अध्यक्ष अभिनव शर्मा ने उपमुख्यमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह प्रदेश और जनता के हित में लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने उपमुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना भी की। कार्यक्रम में संजीव शर्मा, सुधीर मिश्रा, पंकज शर्मा, मानस अग्रवाल, प्रवीण व्यास, शुभम शर्मा, रजत गुप्ता, आशीष तूफानी, हेमंत वार्ष्णेय, अतुल अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, शिवाय शर्मा और मनु शेखर शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान सेवा और जनकल्याण की भावना को प्रमुखता देते हुए लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाने का प्रयास किया गया।

लंबित एवं अस्वीकृत आवेदनों के शीघ्र निस्तारण हेतु डीएम ने बैंकों के साथ की समीक्षा बैठक

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत लंबित एवं अस्वीकृत आवेदनों की समीक्षा हेतु बैंकों के जिला समन्वयकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत बैंक ऑफ बड़ौदा में लंबित एवं अस्वीकृत आवेदनों की स्थिति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने जिला समन्वयक, बैंक ऑफ बड़ौदा को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक आवेदन का व्यक्तिगत स्तर पर परीक्षण किया जाए तथा लंबित एवं अस्वीकृत आवेदनों के कारणों का स्पष्ट रूप से पता लगाकर उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृति एवं ऋण वितरण (डिस्बर्सल) की प्रक्रिया में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक एवं ग्रामीण बैंक में लंबित एवं अस्वीकृत आवेदनों की बैंकवार समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सीसीएल (कैश क्रेडिट लिमिट) एवं अन्य लंबित आवेदनों की बैंकवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे प्रतिदिन बैंकों के साथ समन्वय स्थापित कर लंबित आवेदनों की अद्यतन जानकारी प्राप्त करें तथा उनके शीघ्र निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने महाप्रबंधक, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र (डीआईसी) को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन बैंकों में सर्वाधिक आवेदन लंबित हैं, उनके साथ विशेष समन्वय स्थापित कर प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण कराया जाए। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत ऐसे नमूना प्रकरण (सैम्पल केस), जिनमें खतौनी अथवा अन्य अतिरिक्त अभिलेखों की मांग की जा रही है, के संबंध में बैंकों के उच्च स्तर पर पत्राचार करना सुनिश्चित किया जाए।

साथ ही अस्वीकृत आवेदनों के नमूना प्रकरणों का परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सौरभ कुमार पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर रामानुज, महाप्रबंधक डीआईसी मुकेश कुमार, विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक तथा संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिलाओं एवं बालिकाओं को पंपलेट वितरित कर किया गया जागरूक

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में गुरुवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत बहु बेटी सम्मेलन कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही

विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया ।

भीषण गर्मी में नवयुवकों ने बांटा शरबत, राहगीरों को दी राहत

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच स्योहारा के कुछ जागरूक नवयुवकों ने मानव सेवा और सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए राहगीरों के लिए ठंडे शरबत का वितरण किया। इस सराहनीय पहल से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं युवाओं के इस सेवा भाव की नगर में व्यापक सराहना हो रही है। नगर में आयोजित शरबत वितरण कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में राहगीरों, मजदूरों, रिक्शा चालकों, दुकानदारों और आम नागरिकों ने ठंडा शरबत ग्रहण किया। भीषण गर्मी में अचानक मिली इस राहत से लोगों के चेहरे खिल उठे। कई लोगों ने युवाओं को

धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य समाज में मानवता और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम में शामिल नवयुवकों ने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है और गर्मी के इस मौसम में जरूरतमंदों तथा राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी समाज हित के ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। इस सेवा कार्य में मोहम्मद सलमान, मोहम्मद दानिश फरीदी, मोहम्मद शमशाद, मोहम्मद परवेज, मोहम्मद अरफात, मोहम्मद सुहैल, मोहम्मद उवैस और मोहम्मद अयान ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में मोहम्मद दानिश फरीदी का विशेष योगदान रहा, जिनके सहयोग और प्रयासों से शरबत वितरण कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। स्थानीय नागरिकों ने युवाओं के इस प्रयास को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि आज के दौर में जहां लोग अपने कार्यों में व्यस्त रहते हैं, वहीं समाज और मानवता के लिए समय निकालकर सेवा करना एक अनुकरणीय उदाहरण है। लोगों ने उम्मीद जताई कि ऐसे सामाजिक कार्यों से अन्य युवा भी प्रेरित होंगे और समाज सेवा की भावना को आगे बढ़ाएंगे।

बच्चों के विवाद में खूनी संघर्ष, छोटे भाई ने बड़े भाई की सब्बल से की हत्या

बिजनौर (सब का सपना):- कोतवाली शहर क्षेत्र के गांव बेगावाला में सोमवार देर रात पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। बच्चों के बीच हुए मामूली विवाद को लेकर दो भाइयों में कहासुनी हुई, जिसके बाद छोटे भाई ने अपने बड़े भाई पर सब्बल से हमला कर उसकी हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी हवाई फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना बेगावाला गांव की नई बस्ती की है। मृतक की पहचान 30 वर्षीय सलीम पुत्र हनीफ के रूप में हुई है। बताया जाता है कि सलीम पांच भाइयों में तीसरे नंबर का था। उसके परिवार में पत्नी और दो

छोटे बच्चे हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस के अनुसार सलीम और उसके छोटे भाई नदीम के बीच बच्चों को लेकर किसी बात पर विवाद हुआ था। विवाद के बाद दोनों के बीच कहासुनी हो गई। देर रात करीब 12 बजे सलीम अपने घर के आंगन में चारपाई पर सो रहा था। इसी दौरान नदीम वहां पहुंचा और उस पर सब्बल से हमला कर दिया। सिर और शरीर पर गंभीर चोट लगने से सलीम लहूलुहान होकर गिर पड़ा। परिजन गंभीर हालत में उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। बताया जा रहा है कि हत्या के बाद आरोपी नदीम ने हवाई फायरिंग की और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई टीमों का गठन किया है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। एएसपी सिटी डॉ. कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि देर रात करीब दो बजे सूचना प्राप्त हुई थी कि बेगावाला निवासी सलीम की उसके भाई द्वारा सब्बल से वार कर हत्या कर दी गई है। प्रथम दृष्टया मामला बच्चों के विवाद से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

महिला ने लेखपाल पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया, मुख्यमंत्री से की शिकायत

हैसियत प्रमाण पत्र की रिपोर्ट लगाने के बदले 10 हजार रुपये मांगने का आरोप, लेखपाल ने आरोपों को बताया निराधार

बिजनौर (सब का सपना):- नगीना तहसील क्षेत्र के गांव जगन्नाथपुर निवासी एक महिला ने क्षेत्रीय लेखपाल पर रिश्वत मांगने और जानबूझकर कार्य में देरी करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री को शिकायत भेजकर कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर राजस्व विभाग में चर्चा का माहौल बना हुआ है। गांव जगन्नाथपुर निवासी अनीता पत्नी पुष्पेंद्र सिंह ने मुख्यमंत्री को भेजे शिकायती पत्र में बताया कि उन्होंने अपने आवासीय प्लॉट का हैसियत प्रमाण पत्र बनवाने के लिए 2 मई 2026 को ऑनलाइन आवेदन किया था। उनका आरोप है कि आवेदन लेखपाल स्तर पर पहुंचने के बाद लंबे समय तक लंबित रखा गया। शिकायतकर्ता के अनुसार संबंधित लेखपाल ने रिपोर्ट लगाने के बदले 10 हजार रुपये की मांग की। आरोप है कि जब उन्होंने धनराशि देने से इनकार किया तो आवेदन को विभिन्न कमियों का हवाला देते हुए कई बार वापस कर दिया गया और उन्हें लगातार तहसील के चक्कर लगाने पड़े। महिला ने अपने शिकायत पत्र में यह भी कहा है कि राजस्व निरीक्षक द्वारा अपनी रिपोर्ट उच्च स्तर पर भेजे जाने के बावजूद उनके प्रकरण का निस्तारण नहीं हो सका। उनका आरोप है कि संबंधित लेखपाल जानबूझकर रिपोर्ट लगाने से बच रहे हैं तथा अवैध धनराशि की मांग कर रहे हैं। पीड़िता ने मुख्यमंत्री से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, हैसियत प्रमाण पत्र पर शीघ्र रिपोर्ट लगवाने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित लेखपाल के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, शिकायत में लगाए गए आरोपों पर संबंधित लेखपाल प्रीतम का पक्ष भी सामने आया है। उन्होंने फोन पर बताया कि मामले में लेखपाल स्तर से आख्या तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है। उन्होंने महिला द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को निराधार और तथ्यहीन बताया।

चामुंडा मंदिर में शरबत वितरण कर दिया सेवा का संदेश, वीर सिंह और परिजनों की पहल की सराहना

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच समाज सेवा की मिसाल पेश करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्योहारा के हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह एवं उनके परिजनों ने गुरुवार को चामुंडा मंदिर परिसर में निःशुल्क शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान मंदिर में दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं, राहगीरों और स्थानीय लोगों को ठंडा शरबत वितरित कर राहत पहुंचाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने शरबत ग्रहण किया और इस सेवा कार्य की सराहना की। वीर सिंह ने बताया कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए लोगों को राहत पहुंचाने तथा समाज में सेवा भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस आयोजन का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि समाज

सेवा केवल किसी विशेष अवसर तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को समय-समय पर जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। शरबत वितरण के दौरान वीर सिंह के पिता धर्मवीर सिंह, माता बसंती देवी, पत्नी नीतू सिंह, धर्मपाल मास्टर तथा परिवार के अन्य सदस्यों ने स्वयं लोगों को शरबत वितरित किया। परिवार के सदस्यों ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। इस अवसर पर डिप्टी सीएमओ डॉ. के.के. राहुल, सीएचसी स्योहारा के अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही, धर्मपाल मास्टर, नीरज कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहयोग करते हुए आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि गर्मी के मौसम में राहगीरों के लिए पेयजल और शरबत की व्यवस्था करना अत्यंत पुण्य और सराहनीय कार्य है। ऐसे आयोजन समाज में आपसी सहयोग, भाईचारे और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं। स्थानीय नागरिकों ने वीर सिंह और उनके परिवार की इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने भविष्य में भी जनहित और मानव सेवा से जुड़े ऐसे कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

पल्स पोलियो, संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान को लेकर तहसील स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- तहसील सभागार धामपुर में उपजिलाधिकारी धामपुर सुश्री स्मृति मिश्रा की अध्यक्षता में पल्स पोलियो कार्यक्रम, विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान, दस्तक अभियान, स्टॉप डायरिया कैंपेन तथा राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम को लेकर तहसील स्तरीय टास्क फोर्स की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया तथा आगामी अभियानों को सफल बनाने के लिए विस्तृत रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए उपजिलाधिकारी स्मृति मिश्रा ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाले इन जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ संचालित किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अनुपस्थित कर्मचारियों के संबंध में उन्होंने उनके नाम जिलाधिकारी को भेजने के निर्देश भी दिए। बैठक में 28 जून से शुरू होने वाले पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही 1 से 31 जुलाई तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान, 11 से 31 जुलाई तक दस्तक अभियान एवं स्टॉप डायरिया कैंपेन तथा राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के सफल संचालन पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी कार्यक्रमों में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उपजिलाधिकारी ने आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि गांव स्तर पर विशेष शिविर आयोजित कर पात्र लाभार्थियों के कार्ड बनाए जाएं। साथ ही सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन को बढ़ावा देने तथा जनजागरूकता कार्यक्रम चलाने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम प्रधानों, पंचायत सचिवों एवं पंचायत सहायकों का प्रशिक्षण समय से पूरा कराया जाए। वहीं सीडीपीओ को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का प्रशिक्षण निर्धारित समय सीमा में संपन्न कराने के निर्देश दिए गए। सीएचसी स्योहारा के अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने अभियान की कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए बताया कि पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत बूथ संचालन, घर-घर भ्रमण, छूटे हुए बच्चों की पहचान तथा निगरानी के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि स्योहारा क्षेत्र का माइक्रोप्लान तैयार कर जिला मुख्यालय को भेज दिया गया है। स्योहारा में 28 जून को 151 पोलियो बूथ स्थापित किए जाएंगे। अभियान के लिए 87 टीमों, 5 ट्रांजिट टीमों तथा 2 मोबाइल टीमों का गठन किया गया है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग, आंगनबाड़ी, आशा कार्यकताओं तथा अन्य संबंधित विभागों के सहयोग से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पांच वर्ष तक का कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा अभिभावकों को जागरूक कर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

बैठक में धामपुर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंकित कुमार, सीएचसी स्योहारा अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, प्रमोद शर्मा, आशीष कुमार, बीपीएम धामपुर मनीष कुमार, एनएमए शीशराम, विभिन्न परियोजनाओं की सीडीपीओ एवं सुपरवाइजर, डब्ल्यूएचओ मॉनिटर दिनेश कुमार सहित स्वास्थ्य, बाल विकास और पंचायती राज विभाग के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गंगा बैराज से लौट रहे किरतपुर निवासी दंपति सड़क हादसे में गंभीर घायल

किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- बड़ी एकादशी के पावन अवसर पर गंगा स्नान कर लौट रहे किरतपुर निवासी दंपति सड़क हादसे का शिकार हो गए। बुढ़पुर के निकट उनकी कार की सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और चालक कार में बुरी तरह फंस गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई तथा राहगीरों की भीड़ एकत्र हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार किरतपुर निवासी संजय अग्रवाल, जो राशन विक्रेता हैं, बड़ी एकादशी के अवसर पर अपने परिवार के साथ गंगा बैराज में स्नान करने गए थे। स्नान के बाद जब वह अपनी पत्नी के साथ कार से वापस लौट रहे थे, तभी बुढ़पुर के पास सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से उनकी कार की आमने-सामने की टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और संजय अग्रवाल ड्राइवर सीट में बुरी तरह फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचा और बचाव अभियान शुरू किया गया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गैस कटर की मदद से कार को काटकर घायल चालक को बाहर निकाला गया। हादसे में संजय अग्रवाल और उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और दुर्घटना की जानकारी जुटाई। बताया जा रहा है कि समाचार लिखे जाने तक किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस को कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई थी। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। हादसे की खबर मिलते ही किरतपुर में संजय अग्रवाल के परिचितों और शुभचिंतकों में चिंता का माहौल बन गया। लोग उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

चारपाई पर मिला युवक का शव, बेटे ने बताई चौंकाने वाली बात

पुलिस हिरासत में पत्नी, जांच जारी

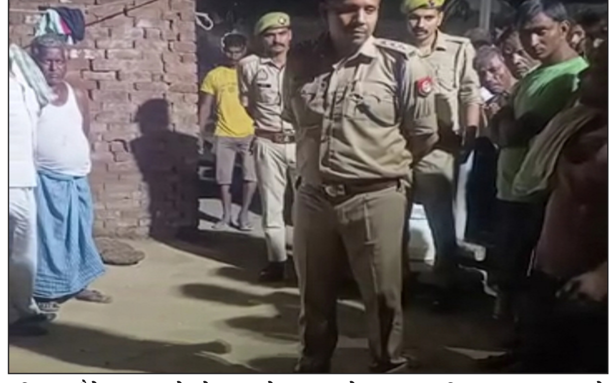

बिजनौर (सब का सपना):- चांदपुर थाना क्षेत्र के गांव नाइपुरा उर्फ जूझारपुरा में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में उसकी पत्नी पर हत्या का आरोप लगा है। मामले का खुलासा उस समय हुआ जब मृतक के पांच वर्षीय बेटे ने पुलिस के सामने ऐसी बातें बताईं, जिससे जांच की दिशा ही बदल गई। पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार नाइपुरा उर्फ जूझारपुरा निवासी 26 वर्षीय कुमरसेन की शादी करीब सात वर्ष पहले कमेंद्री से हुई थी। दंपति के दो बच्चे हैं, जिनमें पांच वर्षीय बेटा हिमांशु और तीन वर्षीय बेटी सुनैना शामिल हैं। कुमरसेन खेती कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। ग्रामीणों और परिजनों का आरोप है कि कमेंद्री के अपने पति के सगे भांजे गौतम के साथ प्रेम संबंध थे। इस बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। बताया जाता है कि बुधवार सुबह भी दोनों के बीच कहासुनी और झगड़ा हुआ था। परिजनों के अनुसार शाम के समय कमेंद्री घर से बाहर गई और कुछ देर बाद परिजनों को सूचना दी कि कुमरसेन की तबीयत खराब है। जब परिजन मौके पर पहुंचे तो कुमरसेन चारपाई पर मृत अवस्था में पड़ा मिला। शुरूआत में इसे सामान्य मौत माना गया, लेकिन बाद में सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव का निरीक्षण किया तो सिर और पैरों पर चोट के निशान पाए गए। इसके बाद मामला संदिग्ध लगने पर गहन जांच की गई। पूछताछ के दौरान महिला के व्यवहार पर भी पुलिस को संदेह हुआ। इसी बीच सीओ देश दीपक सिंह ने मृतक के पांच वर्षीय बेटे हिमांशु से बातचीत की। बच्चे ने पुलिस को बताया कि उसकी मां ने उसके पिता को मारा था और उनके मुंह पर तकिया रखा था। बच्चे के बयान के बाद पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

पुलिस का मानना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और आगे की जांच के आधार पर पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने आएगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चचाएं हैं, जबकि मृतक के परिजनों में गहरा शोक व्याप्त है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि साक्ष्यों और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संचारी रोग नियंत्रण एवं पल्स पोलियो अभियान को लेकर शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- आगामी विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान (1 जुलाई से 31 जुलाई 2026) तथा 28 जून से शुरू होने वाले पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन को लेकर गुरुवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र भगबाड़ा में बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने शिक्षकों को अभियान की रूपरेखा, संचारी रोगों की रोकथाम तथा बच्चों के स्वास्थ्य संरक्षण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा के अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने बरसात के मौसम में फैलने वाले संचारी रोगों, दिमागी बुखार तथा डायरिया जैसी बीमारियों के प्रति विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों में उल्टी, दस्त, डिहाइड्रेशन अथवा अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य विभाग से संपर्क किया जाए तथा उन्हें ओआरएस घोल और जिंक की गोलियां उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने बताया कि यदि ओआरएस उपलब्ध न हो तो घर पर ही नमक और चीनी का घोल तैयार कर बच्चों को दिया जा सकता है। उन्होंने विद्यालयों में साफ-सफाई बनाए रखने और बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने पर भी जोर दिया। साथ ही क्लोरीन डेमो के माध्यम से स्वच्छ पेयजल के महत्व की जानकारी विद्यार्थियों तक पहुंचाने का आह्वान किया। डॉ. स्नेही ने कहा कि गंदगी से फैलने वाले संक्रामक रोग बच्चों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। इसलिए विद्यालय परिसर, शौचालयों और पेयजल स्रोतों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने पशुओं के काटने की स्थिति में घाव को कम से कम 15 मिनट तक साफ पानी से धोने, बीटाडीन लगाने और तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजकर एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने की सलाह दी। सीएचसी स्योहारा के आईओ वीर सिंह ने 28 जून से 3 जुलाई तक चलने वाले पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए सभी शिक्षकों और अभिभावकों से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाई जाए, ताकि कोई भी बच्चा इस महत्वपूर्ण टीकाकरण अभियान से वंचित न रहे। खंड शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार ने निर्देश दिए कि 28 जून को बूथ दिवस के अवसर पर सभी विद्यालय खोले जाएं तथा क्षेत्र के पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने में सक्रिय सहयोग दिया जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि शनिवार को विद्यालयों में जागरूकता रैली निकालकर संचारी रोगों की रोकथाम, स्वच्छता और पल्स पोलियो अभियान के प्रति जनजागरण किया जाए। बैठक में बीईओ दिनेश कुमार, शशिबाला, रीता सिंह, महिपाल सिंह, विजयपाल, सुमित कुमार, सुरेंद्र, संदीप सिंह, गौतम सिंह, सतीश कुमार, दिनेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, ऋषिपाल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

राजबाहे के पास खेत में शव मिलने से सनसनी

खानपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):– थाना क्षेत्र के गांव परवाना महमदपुर के रजवाहे के पास खेत में युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। मृतक की पहचान लोकेश पुत्र रामदास निवासी शमशाबाद के रूप में हुई है। मृतक औरंगाबाद थाना क्षेत्र में काम करता था। घटना के समय अपनी बाईक से परवाना की ओर जा रहा था। बुधवार को शाम ग्रामीणों ने राजबाहे के पास धान के खेत में शव पडा देखा,तो फौरन पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी खानपुर रितेश सिंह व चौकी प्रभारी रिषु त्यागी।एसओ खानपुर रितेश सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती स्मरण पक्ष अभियान को सफल बनाने का आह्वान

बुलन्दशहर (सब का सपना):– भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती स्मरण पक्ष अभियान के अंतर्गत जिला योजना बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने की तथा संचालन जिला महामंत्री दीपक दूल्हेरा ने किया। बैठक में जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, मंडल प्रभारियों एवं अभियान से जुड़े कार्यकताओं ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की। जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति समर्पित रहा है तथा उनके विचार आज भी कार्यकताओं को प्रेरित करते हैं। उन्होंने बताया कि डॉ. मुखर्जी की 125वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 6 जुलाई तक जनपद भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के तहत कार्यकर्ता सम्मेलन, प्रत्येक बूथ पर विशेष कार्यक्रम एवं वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं से अभियान को सफल बनाने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में जिला महामंत्री नीरज चौधरी, संतोष वाल्मीकि, जिला उपाध्यक्ष दिवाकर सिंह, मलखान सिंह, कुलदीप चौधरी, रीता लोधी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निर्जला एकादशी पर एकादशी व्रत उद्यापन एवं विशाल भंडारे का आयोजन

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):– नगर के मोहल्ला सराय नसरुल्लाह में पूर्व सभासद भगवती पुजारी द्वारा अपने माता-पिता स्वर्गीय पुरानचंद एवं स्वर्गीय कमला देवी की बोल-कबूल के उपलक्ष्य में निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर एकादशी व्रत उद्यापन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं यज्ञ के साथ हुआ। संकट मोचन मंदिर के महंत पंडित श्रीप्रकाश ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच यज्ञ संपन्न कराया। इसके उपरांत आयोजित भंडारे में 52 ब्राह्मणों ने भोजन एवं प्रसाद ग्रहण कर आयोजकों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर देवकीनंदन शर्मा (पत्रकार), ज्ञान प्रकाश शर्मा, मनीष पुजारी, पंकज शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, श्याम शर्मा, शिवम शर्मा, वैभव शर्मा, प्रशांत शर्मा एवं निशांक शर्मा सहित अनेक श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया।

बाराखंबा रोड पर डीसीएम बिल्डिंग में लगी आग, ऑफिस में रखे कंप्यूटर और फर्नीचर जलकर खाक

नई दिल्ली। राजधानी के पॉश इलाके बाराखंबा रोड स्थित बहुमंजिला डीसीएम बिल्डिंग में गुरुवार को आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इमारत की पहली मंजिल पर बने एक ऑफिस में लगी थी। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई घायल या हताहत नहीं हुआ। आठ दमकल गाड़ियों ने पाया काबू दमकल विभाग के मुताबिक, आग लगने की सूचना पर आनन-फानन में आठ गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। शॉर्ट सर्किट की आशंका प्राथमिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। पुलिस और फायर विभाग के अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। आग से ऑफिस में रखे कई कंप्यूटर, फर्नीचर और अन्य सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया।

लखनऊ अग्निकांड में मृत छात्रों को सपा ने दी श्रद्धांजलि

बुलन्दशहर (सब का सपना):– समाजवादी पार्टी जिला इकाई द्वारा बुधवार को लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से मृत छात्रों की स्मृति में कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कैंडल मार्च मलका पार्क से शुरू होकर काले आम चौराहा होते हुए भगत सिंह स्थल तक निकाला गया। इस दौरान सपा नेताओं एवं कार्यकताओं ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष मतलूब अली, शिव कुमार शर्मा उर्फ सीटू भाई, हाजी अख्तर, फ्रीरे सिंह प्रजापति, चौधरी चंद्रपाल, लोधी चरण सिंह राजपूत, चौधरी विद्या सिंह, रामकुमार यादव, विनीत राणा, ललित लोधी, राम अवतार, त्रिलोकी अग्रवाल, रफीक, सज्जाद अहमद, अमित त्यागी, डॉ. हाजी अखलाक, राजू अल्वी, रोहित सिंह गौतम, शराफत अल्वी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में ' लाइव प्रैक्टिकल फायर सेफ्टी का हुआ प्रोग्राम

बीबीनगर/बुलंदशहर (सब का सपना):– राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, सैदपुर, बीबी नगर, बुलंदशहर के परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के उद्देश्य से एक अनिवार्य व्यावहारिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। हाल ही में लखनऊ में हुई एक गंभीर अग्नि दुर्घटना को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए संस्थान द्वारा यह त्वरित कदम उठाया गया। संस्थान के प्रधानाचार्य सुमित कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्थान के समस्त स्टाफ और शिक्षार्थियों को आपातकाल के समय बिना घबराए त्वरित एवं सही कदम उठाने के लिए पूर्णतः प्रशिक्षित करना है। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु भूपेंद्र को मुख्य प्रभारी नियुक्त किया गया था, जिनकी प्रत्यक्ष देखरेख में पूरा कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम को मुख्य रूप से दो चरणों में क्रियान्वित किया गया। प्रथम चरण में ऑडियो-विजुअल माध्यम से एक विशेष डिजिटल वीडियो प्रदर्शन दिखाया गया, जिसके द्वारा सही तकनीक का प्रयोग कर आग पर काबू पाने के तरीके समझाए गए। इसके तुरंत बाद द्वितीय चरण में मैदान पर सुभाष चंद्र एवं मेघराज द्वारा संयुक्त रूप से सबके सम्मुख अग्निशामक यंत्र का सजीव संचालन करके दिखाया गया।

इस दौरान छात्र-छात्राओं और स्टाफ को तकनीकी संचालन प्रक्रिया यानी ' PASS Technique' (P - Pull, A - Aim, S - Squeeze,S-Sweep) का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया, ताकि वे भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना के समय आत्मनिर्भर होकर अपनी और दूसरों की सुरक्षा कर सकें। इस अवसर पर संस्थान के सभी अनुदेशक, कर्मचारी एवं भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गुरु रंधावा के जिम पर फायरिंग मामले में एक्शन, दिल्ली पुलिस ने एनकाउंटर के बाद लॉरेंस गैंग के दो शूटर पकड़े

नई दिल्ली। राजधानी के पश्चिम विहार इलाके में पंजाबी गायक गुरु रंधावा के 24 एचएस फिटनेस जिम पर हुई फायरिंग मामले में दिल्ली पुलिस का एक्शन जारी है। ताजा मामले में पुलिस ने बुधवार रात को एनकाउंटर के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शूटरों को दबोच लिया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान हकीकत और सागर के रूप में हुई है। 11 जून को हुई थी फायरिंग आरोपित बीती 11 जून को हुई जिम पर हुई फायरिंग के बाद से फरार चल रहे थे। मामले में अब तक चार आरोपितों को पकड़ा गया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले, पिछले हफ्ते क्राइम ब्रांच ने मामले में बहादुरगढ़ से लॉरेंस गिरोह के दो शूटरों को दबोचा था। जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपित एक अपराध को अंजाम देने के उद्देश्य से पश्चिमी दिल्ली आए थे, इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर स्पेशल ने इन्हें जांच के लिए रोका तो आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी, इसके जवाब में पुलिस ने जब फायरिंग की तो दोनों के पैरों में गोली लगी और उन्हें दबोच लिया गया। इनके कब्जे से हथियार भी बरामद किए गए।

शादी की जिद पर फिर मोबाइल टावर पर चढ़ा सिरफिरा प्रेमी, पुलिस के छूटे पसीने

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):– जनपद के थाना औरंगाबाद क्षेत्र के एक गांव में बृहस्पतिवार शाम एक सिरफिरा प्रेमी शादी करने की जिद पर 70 फिट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। सूचना पर पहुंची पुलिस घंटों तक युवक को नीचे उतारने की मशक्कत करती रही। मिली जानकारी के अनुसार स्याना कोतवाली क्षेत्र के गांव बरौली वासुदेवपुर निवासी युवक की औरंगाबाद के एक गांव में रिश्तेदारी है। एक शादी समारोह के दौरान उसकी मुलाकात गांव की एक युवती से हुई थी। दोनों ने परिजनों की मर्जी के बिना लव मैरिज कर ली थी। जब युवती के परिजनों को जानकारी हुई तो उन्होंने युवती को फटकार लगाई। इसके बाद युवती ने युवक के साथ जाने से इंकार कर दिया। पहले पांच मई को युवक पेट्रोल लेकर इसी मोबाइल टावर पर चढ़ गया था। तब पुलिस ने युवती को मौके पर बुलाकर उसे नीचे उतारा था। युवती की तहरीर पर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जेल से छूटने के बाद युवक ने फिर वही हरकत दोहरा दी। बृहस्पतिवार शाम करीब पांच बजे सिरफिरा प्रेमी लखावटी पहुंचा और सीधे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। सूचना पर पुलिस फोर्स के मौके पर पहुंची। पुलिस ने युवक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह शादी कराने की जिद पर अड़ा रहा। मौके पर जुटी भीड़ को पुलिस ने समझा-बुझाकर हटाया। खबर लिखे जाने तक पुलिस उसे समझा कर नीचे उतारने का प्रयास कर रही थी। वहीं इस मामले में थाना प्रभारी मोहम्मद असलम ने बताया कि युवक को सुरक्षित नीचे उतारने का प्रयास किया जा रहा है। युवती के परिजनों से भी संपर्क किया गया है।

जानलेवा हमले के चार आरोपी गिरफ्तार, तमंचा व तलवार बरामद

बुलन्दशहर (सब का सपना):– जनपद के थाना पहासू पुलिस ने जानलेवा हमला और मारपीट के मामले में चार वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक अवैध तमंचा, जिंदा कारतूस, तलवार, पंच और कड़ा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार 23 जून को भूपनगर निवासी ओमवीर सिंह एवं उनके परिवार के साथ मारपीट की घटना हुई थी, जिसमें कई लोग घायल हुए थे। विवेचना के दौरान पुलिस ने वीके उर्फ प्रिंस, बजरंगी उर्फ अशोक, विमल तथा सुमित उर्फ कालू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम एवं पॉक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ाते हुए उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

चढत के दौरान ड्रोन कैमरा तोडने पर दो पक्षों में मारपीट

खानपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):– क्षेत्र के गांव हिमामाबाद में एक शादी में चढत के दौरान कैमरा तोडे जाने को लेकर बरातियों व फोटो ग्राफर पक्ष में विवाद हो गया जिससे समारोह स्थल पर भागदौड़ मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला और शादी की रस्मे पूरी कराकर बरात को बिदा कराया। जानकारी के अनुसार थाना खानपुर के गांव हिमामाबाद निवासी मधु बाल्मीकि की बेटी की शादी 22 जून को पवसरा गांव से आई थी।बारात में चढत के दौरान फोटो ग्राफर विडियो ग्राफिंग कर रहा था तभी कुछ युवको ने कैमरे को पत्थर मार दिया जिससे कैमरा टूट कर नीचे गिर गया।उसी दौरान बरातियो और फोटोग्राफर के बीच कहासुनी हो गई।विवाद बढने पर फोटोग्राफर पक्ष ने अपने गांव से कुछ साथी बुला लिए और दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई जिससे घटना में मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।एस ओ खानपुर रितेश सिंह ने बताया कि कैमरा तोडे जाने को लेकर विवाद था जिसे ग्रामीणों ने मिल बैठकर सुलझा लिया है। बारात भी बिदा होकर चली गई है।

महरौली में तोड़फोड़ के दौरान 3 मंजिला इमारत गिरी, कई लोगों के दबने की आशंका; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के महरौली इलाके में गुरुवार सुबह एक पुराने तीन मंजिला मकान के तोड़फोड़ कार्य के दौरान उसका एक बड़ा हिस्सा अचानक ढह गया।महरौली के वार्ड नंबर 3 में स्थित करीब 400 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले इस पुराने मकान को एक बिल्डर ने खरीदा था। बिल्डर बहुमंजिला इमारत बनाने के लिए इसे ध्वस्त करा रहा था। सुबह करीब 9:30 बजे इमारत का एक हिस्सा ढहने की सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। पड़ोसी की गाड़ियां आईं चपेट में ढहने की घटना से आसपास अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने तुरंत इलाके को घेर लिया और तोड़फोड़ से जुड़े ठेकेदार को मौके पर बुलाकर पूछताछ शुरू कर दी है। स्थानीय निवासियों ने बिल्डर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि काम बहुत जल्दबाजी और लापरवाही से कराया जा रहा था। उन्होंने बताया कि रात में भी बुलडोजर चलाए जा रहे थे। इस हादसे में क्षतिग्रस्त मकान के पीछे रहने वाले अनिल शर्मा के हाते में खड़ी करीब पांच गाड़ियां भी चपेट में आ गईं। घायलों की कर रहे खोज ढहने की वजह से पड़ोस में अनिल शर्मा के हाते में खड़ी चार-पांच गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं।अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई सूचना नहीं है। दमकल और पुलिस की टीमें मलबे की जांच कर रही हैं कि कहीं कोई मजदूर या व्यक्ति तो नहीं फंसा है। अब तक किसी के हताहत होने सूचना नहीं अधिकारियों ने बताया कि यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि घटना के समय इमारत के अंदर कोई मजदूर या अन्य व्यक्ति तो नहीं था। दमकल अधिकारियों ने बताया कि मलबे में किसी के फंसे होने की आशंका को खारिज करने के लिए बचाव और निरीक्षण कार्य चल रहा है। हालांकि, पुलिस ने कहा कि अभी तक किसी के घायल होने या किसी हताहत की कोई सूचना नहीं है। आगे की जानकारी का इंतजार है।

दिल्ली की संजय झील बनेगी नई, एलजी ने खुद किया निरीक्षण; 5000 पौधे और फव्वारों की होगी व्यवस्था

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली स्थित संजय झील के पुनर्स्थापन और कायाकल्प कार्यों को तेज गति देने के लिए व्यापक योजना पर काम शुरू कर दिया गया है। झील का दौरा कर चल रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने 52 एकड़ के इस महत्वपूर्ण जलाशय और इसके आसपास के 165 एकड़ संरक्षित वन क्षेत्र के पुनर्जीवन की चरणबद्ध कार्ययोजना की जानकारी दी। गुरुवार को दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधु ने स्थानीय निरीक्षण भी किया। जल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे संजय झील को एक स्वच्छ, हर मौसम में उपयोगी और पर्यावरणीय दृष्टि से समृद्ध सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। समीक्षा के दौरान दिल्ली जल बोर्ड की पाइपलाइन की शीघ्र मरम्मत के निर्देश दिए गए, ताकि दल्लूपुरा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से उपचारित जल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। फव्वारों की व्यवस्था की जाएगी झील में लगातार खरपतवार और शैवाल हटाने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही, तटबंधों की मजबूती के लिए जियोटेक्सटाइल तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार आगामी चरण में ठहरे हुए पानी की निकासी और प्रवाह को बेहतर बनाया जाएगा। इसके अलावा भूजल पुनर्भरण बढ़ाने के लिए बायो-स्वेल्स स्थापित किए जाएंगे तथा जल गुणवत्ता सुधारने के लिए बायो-रिमेडिएशन, एरेटर और फव्वारों की व्यवस्था की जाएगी। पारिस्थितिकी तंत्र को भी मजबूती मिलेगी परियोजना के तहत क्षेत्र की जैव विविधता को बढ़ावा देने के लिए 5,000 देशी प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। इससे न केवल हरित क्षेत्र का विस्तार होगा, बल्कि स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को भी मजबूती मिलेगी। अधिकारियों का कहना है कि संजय झील के पुनर्जीवन से यह क्षेत्र दिल्लीवासियों के लिए एक आकर्षक मनोरंजन स्थल के रूप में विकसित होगा। साथ ही, यह परियोजना राजधानी की पर्यावरणीय स्थिरता, जल संरक्षण और जलवायु अनुकूलन क्षमता को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

भारत भाग्य विधाता पर मंडराए खतरे के बादल, फिर होगी कंगना की मूवी की समीक्षा नर्सों के अपमान पर गहराया विवाद

नई दिल्ली। फिल्म भारत भाग्य विधाता में नर्सों के कथित अपमानजनक चित्रण को लेकर शुरू हुआ विवाद अब केंद्र सरकार तक पहुंच गया है। ऑल इंडिया गवर्नमेंट नर्सेज फेडरेशन (एआईजीएनएफ) की शिकायत को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मामले को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को भेज दिया है। इससे साथ ही फिल्म की विषयवस्तु और उसके प्रमाणीकरण से जुड़े पहलुओं की समीक्षा की प्रक्रिया एक बार फिर से शुरू होने के आसार बढ़ गए है। एआईजीएनएफ ने चार जून को स्वास्थ्य मंत्रालय को भेजे अपने शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि फिल्म के कुछ दृश्य और संवाद नर्सिंग पेशे की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं तथा समाज में नर्सों के प्रति नकारात्मक धारणा बनाने का काम करते हैं। एआईजीएनएफ पदाधिकारियों का कहना है कि नर्सों को अपमानजनक और भ्रामक तरीके से प्रस्तुत करना पूरे नर्सिंग समुदाय के सम्मान पर आघात है। नर्सिंग संगठनों को क्या है आपत्ति? शिकायत पर संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय के नर्सिंग अनुभाग ने बुधवार को कार्यालय आदेश (ज्ञापन) जारी कर मामला सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के फिल्म अनुभाग को भेज दिया। अवर सचिव गणेश कुमार द्वारा जारी ज्ञापन में कहा गया है कि चूंकि मामला फिल्म की विषयवस्तु और उसके प्रमाणीकरण से संबंधित है, इसलिए आवश्यक परीक्षण और आगे की कार्रवाई सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के स्तर पर की जानी चाहिए। नर्सिंग संगठनों का कहना है कि कोविड-19 महामारी सहित विभिन्न आपदाओं और स्वास्थ्य आपात स्थितियों में नर्सों ने अग्रिम पंक्ति में रहकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे में उनके पेशे को गलत और अपमानजनक ढंग से प्रस्तुत करना स्वीकार्य नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मामला भेजे जाने के बाद अब नर्सिंग समुदाय की नजर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अगले कदम पर टिकी है।

दिल्ली के यमुना बाजार में अतिक्रमण पर बुलडोजर एक्शन शुरू, 300 से ज्यादा घर होंगे जमींदोज

नई दिल्ली। राजधानी के यमुना बाजार में ओ- जोन क्षेत्र में बृहस्पतिवार को अतिक्रमण पर बुलडोजर एक्शन की कार्रवाई शुरू हो गई है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा ओ- जोन के तहत चिन्हित किए गए 300 से ज्यादा घरों को ध्वस्त किया जाना है। लोगों ने घरों से बाहर निकाला सामान। यमुना बाजार में सुबह से घरों में तोड़फोड़ शुरू की गई है। इस दौरान स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए मौके पर भारी सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। कार्रवाई से प्रभावित लोगों को पास के शेल्टर होम में जाने के लिए कहा गया है। हाई कोर्ट के आदेश के बाद पिछले महीने डीडीए और जिला प्रशासन ने कार्रवाई के लिए लोगों को नोटिस दिया था, जिसके बाद आज यमुना बाजार के घाट किनारे स्थित घरों को गिराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बता दें कि डीडीए की ये कार्रवाई प्रशासन की उस बड़ी मुहिम का हिस्सा है, जिसके तहत यमुना के बाढ़ वाले इलाकों से अवैध निर्माण हटाए जा रहे हैं। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने बीती 8 मई को 'डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट, 2005' के तहत बाढ़ के खतरे और सुरक्षा का हवाला देते हुए, पुरानी दिल्ली में यमुना के बाढ़ वाले इलाकों के आस-पास रहने वाले लोगों को वहां से हटने को लेकर एक नोटिस जारी किया था।

दिल्ली के किसानों को अगले तीन महीने में मिलेंगे प्लॉट, डीडीए ने जारी की आधिकारिक सूचना

नई दिल्ली। दिल्ली के किसानों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, दिल्ली के जिन भी किसानों की भूमि अधिग्रहित की गई थी, अब उसके बदले उन्हे प्लॉट दी जाएगी और यह प्रक्रिया अगले तीन महीने में पूरी कर ली जाएगी। डीडीए ने इसकी आधिकारिक सूचना भी जारी कर दी है। इसकी जानकारी बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दी। बिधूड़ी ने बताया कि दिल्ली के किसानों की एक बड़ी मांग पूरी हुई है। जिन किसानों की जमीन अधिग्रहित की गई है और उनके अल्टरनेटिव आवासीय प्लॉट के आवेदनों को दिल्ली सरकार के लैंड एंड बिल्डिंग विभाग ने अपनी सिफारिश के साथ डीडीए को भेज दिया है। उन सभी को तीन महीने के अंदर ही अल्टरनेटिव आवासीय प्लॉट देने का फैसला हुआ है। बिधूड़ी ने पीएम मोदी और रेखा गुप्ता का जताया आभार उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू साथ हुई उनकी मीटिंग के बाद डीडीए के उपाध्यक्ष डॉ. एन. सरवन कुमार ने इसकी अधिकारिक सूचना जारी कर दी है। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली के किसानों की इस मांग को सहर्ष स्वीकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का समस्त किसानों की ओर से बहुत-बहुत आभार और धन्यवाद देते हैं। अब उन किसानों को अपने कागजात सही करने होंगे, जिनकी जमीनें अधिग्रहित की गई थीं। इसके साथ ही उन्हें यह कन्फर्म करना होगा कि उनके आवेदन को 'लैंड एंड बिल्डिंग विभाग' ने हरी झंडी देकर उसे डीडीए के पास फॉरवर्ड किया था। अगर कोई कमी है तो उन्हें सुधार लें। इसके साथ ही किसानों को डीडीए की वेबसाइट से समय-समय पर जानकारी लेनी चाहिए।

जानकारी

क्या आप भी चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं? जानें कितना सुरक्षित है फेस वैक्सिंग

कई महिलाएं चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं। जिन महिलाओं के चेहरे पर ज्यादा बाल होते हैं, वो चेहरे पर ब्लीच, थ्रेडिंग या वैक्सिंग कराती हैं। लेकिन जो महिलाएं चेहरे पर वैक्सिंग कराती हैं, उन्हें चेहरे पर वैक्सिंग कराने के साइड इफेक्ट्स के बारे में भी मालूम होना चाहिए। चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। यहां पर हम आपको बता रहे हैं कि चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय किन बातों का ध्यान जरूर रखें।

चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय इन बातों का ध्यान रखें

- चेहरे पर वैक्सिंग कराते समय जरा सी गलती होने पर चेहरे की खूबसूरती बिगड़ सकती है इसलिए चेहरे पर वैक्सिंग बहुत सोच-समझकर कराएं।
- चेहरे की त्वचा बहुत सॉफ्ट होती है और चेहरे पर वैक्सिंग कराने से चेहरे पर बहुत जल्दी झुर्रियां यानी रिंकल्स हो सकते हैं, इसलिए बहुत जरूरी हो तो ही चेहरे पर वैक्सिंग कराएं।
- वैक्सिंग से हेयर फॉलिकल्स को नुकसान पहुंचता है, जिससे चेहरे पर सूजन, दाग पड़ जाना, इंफेक्शन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।
- यदि आपके चेहरे पर बाल कम हैं, तो वैक्सिंग की बजाय चेहरे पर ब्लीच कर लें।
- यदि आपके चेहरे पर बहुत मोटे बाल हैं, तो आपके लिए लेजर हेयर रिमूवल ट्रीटमेंट बेस्ट है।
- यदि आप अपने हाथ-पैर की वैक्सिंग खुद घर पर ही करती हैं, तो भी चेहरे की वैक्सिंग खुद न करें, क्योंकि चेहरे की वैक्सिंग मुश्किल होती है। चेहरे की वैक्सिंग करते समय वैक्स का टेम्प्रेचर, वैक्सिंग स्ट्रिप की क्वालिटी आदि का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है इसलिए हमेशा एक्सपर्ट से ही चेहरे की वैक्सिंग कराएं।
- वैक्सिंग कराते समय अपने स्किन टाइप का भी जरूर ध्यान रखें। यदि आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो एक्सपर्ट से इस बारे में पहले ही डिस्कस कर लें, वरना चेहरे पर इंफेक्शन हो सकता है।
- चेहरे की वैक्सिंग कराते समय हाइजीन का विशेष ध्यान रखें, वरना चेहरे पर इंफेक्शन होने की संभावना बढ़ सकती है।
- चेहरे पर वैक्सिंग कराने के तुरंत पहले या बाद में ब्लीच न करें, इससे आपके चेहरे को नुकसान हो सकता है। चेहरे पर ब्लीच करना है या नहीं इसके बारे में एक्सपर्ट से सलाह लें।
- वैक्सिंग कराने के बाद चेहरे पर वैक्सिंग लोशन या फेस सीरम लगाना न भुलें, वरना चेहरे पर रैशेज हो सकते हैं।
- वैक्सिंग कराने के तुरंत बाद धूप में न जाएं और न ही किचन में गैस के सामने खड़े होकर काम करें।
- जब तक जरूरत न हो, चेहरे पर वैक्सिंग न कराएं, जल्दी-जल्दी वैक्सिंग कराने से चेहरे की त्वचा को नुकसान हो सकता है।

थोरेसिक स्पाइन के इलाज में एक नया आयाम वैट सर्जरी

महानगरों की भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी, सोने तथा चलने के तौर तरीकों में बदलाव की बदौलत पीठ तथा गर्दन दर्द के रोगियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। एक मोटे तौर के अनुसार देश में हर सातवां व्यक्ति पीठ तथा गर्दन दर्द से परेशान है। पीठ तथा गर्दन दर्द के रोगियों में महिलाओं की संख्या काफी तादात में है। कमर दर्द के अनेक कारण हैं, लेकिन लगातार झुककर बैठना, रोजाना देर तक स्कूटर व मोटरसाइकिल चलाना, दफ्तर में झुककर काम करना और देर तक कंप्यूटर या टाइपराइटर पर काम करने वाले लोगों में यह दर्द ज्यादा होता है।

वर्तमान समय में कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण गर्दन दर्द का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। अनेक अध्ययनों से पता चला है कि देश के बड़े शहरों एवं महानगरों में कंप्यूटर के बढ़ते इस्तेमाल के कारण कमर दर्द से ग्रस्त लोगों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। यूं तो बच्चों से लेकर बुजुर्ग सभी कमर दर्द से प्रभावित हो सकते हैं। बढ़ती उम्र, भारी शारीरिक कार्य, लंबी अवधि तक एक ही स्थिति में काम करने वाले लोग (जैसे सेक्रेटरी, रिसेप्शनिस्ट, काल सेंटर के कार्मिक) भारी सामान उठाने वाले, वाइब्रेटर टूल आपरेटर आदि अधिक प्रभावित होते हैं। यदि इस के उपचार की बात की जाए तो कई प्रकार के उपचार भी मौजूद हैं। जैसे- बेड रेस्ट, इंजेक्शन, शल्य-चिकित्सा, स्पाइनल फ्यूजन, डिस्क प्रत्यारोपण, वर्टिब्रोप्लास्टी, पिन होल सर्जरी और मिनिमल इंवेसिव सर्जरी आदि। लेकिन हर उपचार की अपनी कुछ सीमाएं हैं। मगर अब वैट सर्जरी (वीडियो एसिस्टिेड थोरोस्कोपी) नामक एक नई सर्जरी की शुरुआत की गई है।

थोरेसिक स्पाइन की आम बीमारियां क्या हैं?

थोरेसिक स्पाइन में गर्दन व कमर की तरह कई सारी बीमारियां हो सकती हैं जैसे कि स्लिप्ड डिस्क, ट्यूमर, संक्रमण जैसे टी.बी., फेक्चर, कूबड़ इत्यादि। इन बीमारियों में सीने के पीछे कमर में दर्द व सीने में खिंचाव रहता है और ये दर्द कभी कभी नीचे पैरों तक भी जा सकता है। इसके साथ पैरों का सुन्न होना, चलने में मुश्किल व दैनिक क्रिया करम में दिक्कत पैदा हो सकती है। इन सभी कष्टों का कारण होता है नसों पर दबाव। अब वैट सर्जरी के द्वारा इस दबाव को आसानी से कम किया जा सकता है। इसके साथ-साथ कूबड़ के मरीजों की कमर का टेढ़ापन आसानी से दूर किया जा सकता है।

वैट सर्जरी के क्या फायदे हैं?

वैट सर्जरी में एक पतली सी दूरबीन द्वारा सीने की रीढ़ की हड्डी तक पहुंचकर टीवी स्क्रीन पर देखते हुए, वो सारे आपरेशन संभव हो गए हैं जो कि पहले सीने को खोलकर संभव हो पाते थे। इसमें एक विशेष किस्म की बेहोशी करके मरीज के एक फेफड़े को पिचका दिया जाता है, जिससे कि बिना किसी रुकावट के ट्यूमर या डिस्क को आसानी से निकाला जा सकता है। यह पूरी सर्जरी केवल एक या दो घंटे में पूरी हो जाती है। इसका मुख्य फायदा यह है कि मरीज अगले दिन से चल फिर सकता है। खून बहने व संक्रमण का रिस्क नहीं होता और मरीज को तीन दिनों में अस्पताल से छुट्टी मिल जाती है, जिससे कि दवाईयां व अस्पताल का खर्च बच जाता है। वास्तव में यह सर्जरी बहुत ही उपयोगी व मरीजों के लिए एक वरदान के समान है।

डॉ. सतनाम सिंह छाबड़ा, सर गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली

स्लिप्ड डिस्क किस उम्र में खतरा ज्यादा होता है

- आमतौर पर 30 से 50 वर्ष की उम्र में कमर के निचले हिस्से में स्लिप्ड डिस्क की समस्या हो सकती है।
- 40 से 60 वर्ष की आयु तक गर्दन के पास सर्वाइकल वर्टिब्रा में समस्या होती है।
- विशेषज्ञों के अनुसार अब 20-25 वर्ष के युवाओं में भी स्लिप डिस्क के लक्षण तेजी से देखे जा रहे हैं। देर तक बैठ कर कार्य करने के अलावा स्पीड में बाइक चलाने या सीट बेल्ट बांधे बिना ड्राइविंग करने से भी यह समस्या बढ रही है। अचानक ब्रेक लगाने से शरीर को झटका लगता है और डिस्क को नुक्सान हो सकता है।

सामान्य लक्षण

- नसों पर दबाव के कारण कमर दर्द, पैरों में दर्द या पैरों, एडी या पैर की अंगुलियों का सुन्न होना।
- पैर के अंगूठे या पंजे में कमजोरी।
- स्पाइनल कॉर्ड के बीच में दबाव पडने से कई बार हिप या थाईज के आसपास सुन्न महसूस करना।
- समस्या बढने पर यूरिन-स्टूल पास करने में परेशानी।
- रीढ के निचले हिस्से में असहनीय दर्द।
- चलने-फिरने, झुकने या सामान्य काम करने में भी दर्द का अनुभव। झुकने या खांसने पर शरीर में करंट सा अनुभव होना।

जांच और उपचार

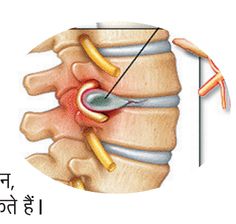

दर्द लगातार बना रहना, एक्स-रे या एमआरआइ, लक्षणों और शारीरिक जांच से डॉक्टर को पता चलता है कि कमर या पीठ दर्द का सही कारण क्या है और क्या यह स्लिप्ड डिस्क है।जांच के दौरान स्पॉन्डलाइटिस, डिजेनरेशन, ट्यूमर, मेटास्टेज जैसे लक्षण भी पता लग सकते हैं।

सेहत

मेथी के 16 फायदे

मेथी हर रसोई में मिल जाएगी, खाने का फ्लेवर बढ़ाने के साथ ही ये कई बीमारियों को भी दूर रखती है। ठंड के मौसम में मिलने वाले मेथी के पत्तों की सब्जी बनाकर खाएं। स्वाद में भले ही ये थोड़ी कड़वी होती है, मगर सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। खासकर महिलाओं के लिए। वैसे सिर्फ मेथी के पत्ते ही नहीं, मेथी दाना भी सेहत का खजाना है। मेथी में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है।

- डिलीवरी के बाद महिलाओं को मेथी के लड्डू खाने को कहा जाता है। इससे प्रेग्नेंसी के बाद शरीर मजबूत बनता है और कमजोरी महसूस नहीं होती। ब्रेस्टफीड करानेवाली महिलाओं के लिए मेथी के पत्तों की सब्जी बहुत फायदेमंद होती है। मेथी कैल्शियम का भी बेहतरीन स्रोत है।
- पेट में जलन होने पर मेथी की सूखी पत्तियों और शहद को मिलाकर काढ़ा बनाएं। दिन में दो बार इसे पीने से पेट की जलन से राहत मिलती है।
- मेथीदाना को पीस लें और गुड़ में मिलाकर लड्डू बनाएं। ठंड के मौसम में रोजाना एक लड्डू खाने से सर्दी-खांसी की समस्या नहीं होगी।
- मेथी की सब्जी बनाकर खाएं। इससे डाइजेशन ठीक रहता है।
- मेथी बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके हार्ट डिसीज के खतरे को कम करती है।
- मेथी डायबिटीज पेशेंट के लिए भी रामबाण से कम नहीं है. ये शुगर लेवल को कम करने में मदद करती है।
- यह शरीर से हानिकारक टॉक्सिंस को निकालने में मदद करती है।
- मेथी याददाश्त बढ़ाने में भी मददगार है।
- वजन कम करने में भी मेथी कारगर है। इसमें पाए जाने वाले फाइबर्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं।
- मेथी के दानों को रातभर पानी में भिगोकर रखें और सुबह खाएं, बहुत ज्यादा होगा।
- यदि स्किन प्रॉब्लम्स जैसे- रिंकल्स, ब्लैकहेड्स, पिंपल्स, ड्राईनेस आदि से परेशान हैं, तो मेथी की पत्तियों का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं और करीब 20 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें।
- हार्मोनल बैलेंस बनाए रखने में भी मेथी बेहद कारगर होती है।
- मेथी एक बेहतरीन घरेलू दवा का काम करती है। ये बुखार और कई अन्य मौसमी बीमारियों को ठीक करने में मदद करती है।
- मेथी के पत्तों से हर्ब टी बनाई जा सकती है, इसे पीने से दिमाग शांत और फ्रेश रहता है।
- मेथी में आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है, इससे शारीरिक कमजोरी दूर होती है।
- मेथी के नियमित सेवन से महिलाओं को पीरियड्स और मेनोपात के दौरान होने वाली समस्याओं से राहत मिलती है।

मेथी सलाद

एक गड्डी मेथी को धोकर नमक लगाकर 30 मिनट रखकर पानी निचोड़ लें। फिर मेथी के पत्तों को बारीक काट लें। आधा-आधा कप बारीक कटे प्याज और टमाटर, मेथी, आधा टीस्पून लालमिर्च पाउडर, 1 टीस्पून तेल और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। तैयार मेथी सलाद का मजा लें।

मेथी टमाटर

एक गड्डी मेथी को साफ करके काट कर उबाल लें। कड़ाही में 1 टेबलस्पून तेल गरम करके हींग, राई और जीरे का छौंक लगाएं। अब 1 टमाटर बारीक कटा हुआ, आधा-आधा टीस्पून धनिया पाउडर व लालमिर्च पाउडर डालकर 2 मिनट तक भूनें। 2-3 टेबलस्पून पानी डालकर एक उबाल आने पर मेथी व नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। धीमी आंच पर 5-7 मिनट पकने के बाद आंच से उतार लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 3929

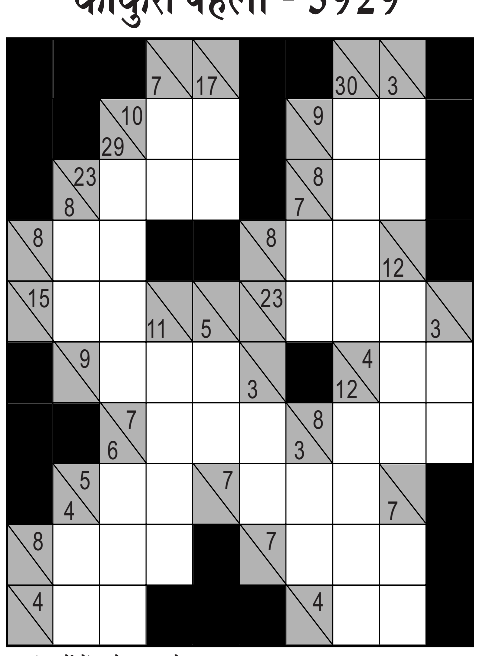

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

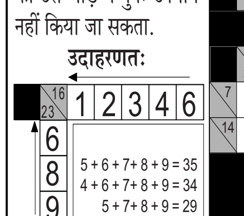

$5+6+7+8+9=35$
$4+6+7+8+9=34$
$5+7+8+9=29$
$6+7+8+9=30$

काकुरो - 3928 का हल

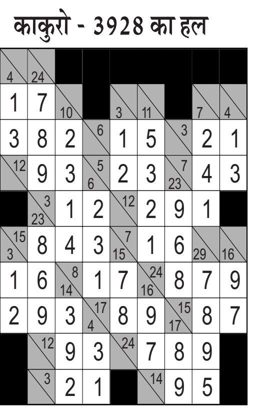

हंसी के फूव्वारें

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा-'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो ?'

'हां !' हीरो शान्त स्वर में बोला-'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा-'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं !'

'फिर ?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!'वह आदमी कड़क आवाज में बोला-'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे ?'

बेटा-'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता-कितने अंक मिले हैं.

बेटा-'शून्य,शून्य,शून्य !'

फिल्म वर्ग पहेली- 3929

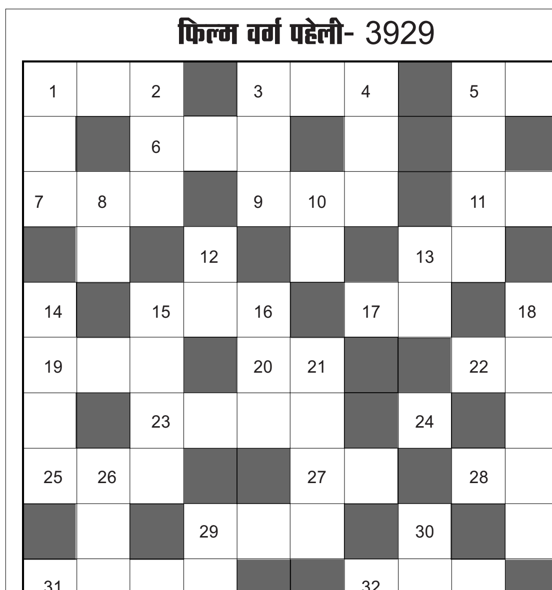

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिश्मा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंद्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3928

सूडोकु -3929

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3928 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 3929

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 3928 का हल

न्यूक्लियर बम जैसी कहानी मिलेगी तभी मैं 'गदर 3' बनाऊंगा

फिल्ममेकर अनिल शर्मा का कहना है कि जैसे ही उनके हाथ 'गदर : एक प्रेम कथा' की स्क्रिप्ट आई, उन्हें उसी वक्त एहसास हो गया था कि यह फिल्म भारत की सबसे बड़ी हिट बन सकती है। 25 साल बाद, कई रिकॉर्ड बनाने और एक हिट फ्रेंचाइज बनने के बाद भी अनिल शर्मा खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि यह फिल्म आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है।

इंटरव्यू में अनिल शर्मा ने फिल्म को याद करते हुए कहा, 'जिस दिन फिल्म के राइटर शक्तिमान तलवार ने मुझे इसकी कहानी सुनाई, उसी दिन मुझे समझ आ गया था कि यह भारत की सबसे बड़ी हिट फिल्म बन सकती है, और ऐसा हुआ भी। 'मदर इंडिया', 'मुगल-ए-आजम' और 'शोले' मेरी पसंदीदा फिल्में रही हैं, और मैंने कोशिश की कि यह फिल्म भी उसी लेवल की बने। यह फिल्म टॉप फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई। ब्लॉकबस्टर कमाई के अलावा, इस फिल्म को करीब 10 करोड़ दर्शकों ने देखा, जो आज तक कोई फिल्म हासिल नहीं कर पाई। यहां तक कि 'गदर 2' का फुटफॉल भी इसका आधा ही था।'

लगान से टक्कर पर फिल्ममेकर का बयान रिलीज के दिन 'लगान' से टक्कर पर वह कहते हैं, 'आज हम कहते हैं कि 'लगान' से मुकाबला था, लेकिन उस समय ऐसा कुछ नहीं था। उस दौर में दो-तीन बड़ी फिल्में एक साथ रिलीज होती थीं और सभी अच्छा चलती थीं। लोग एक फिल्म देखने के बाद दूसरी फिल्म भी देखने जाते थे। वो मार्केटिंग का नहीं, दिल का दौर था।' कास्टिंग को लेकर अनिल शर्मा कहते हैं, 'लोग पूछते हैं कि क्या कोई और विकल्प था, लेकिन सनी देओल, अमरीश पुरी या बाकी कलाकारों के लिए हमारे पास दूसरा कोई विकल्प था ही नहीं।'

क्या 'गदर 3' बनेगी

गदर 3 बनने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'जब उत्कर्ष बड़ा हुआ तो लोग कहने लगे कि जीते की कहानी लाओ। लेकिन मेरे लिए अगर 'गदर' एक बम थी, तो 'गदर 2' के लिए मुझे एटम बम जैसी कहानी चाहिए थी, और उसने इतिहास बना दिया। अब अगर मुझे न्यूक्लियर बम जैसी कहानी मिलेगी, तभी मैं 'गदर 3' बनाऊंगा। हम इसकी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं और अगर सब सही रहा तो अगले साल इसकी शूटिंग शुरू हो सकती है।' बता दें कि पहले पार्ट में सनी देओल, अमीषा पटेल और अमरीश पुरी मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म 15 जून 2001 को आमिर खान की 'लगान' के साथ रिलीज हुई थी।

मानवी गगरू ने सुनाया करियर के शुरुआत का किस्सा

मुझे 'कंप्रोमाइज' का मतलब ही समझ नहीं आया

अभिनेत्री मानवी गगरू ने हाल ही में मनोरंजन जगत में नए कलाकार के तौर पर अपने कुछ अजीब और असहज अनुभवों के बारे में बात की है। उन्होंने वह अनुभव याद किए, जब उन्हें इशारों-इशारों में अजीब ऑफर दिए गए। साथ ही कास्टिंग से जुड़ी अजीब शब्दावली का भी जिक्र किया, जो शुरुआत में उनकी समझ में नहीं आई थी। उन्होंने बताया कि एक आउटसाइडर होने के नाते सिनेमा में आगे बढ़ना उनके लिए सीखने वाली प्रक्रिया रही।

मानवी ने बताई करियर की अजीब घटना

हाल ही में मानवी ने 'टू गर्ल्स एंड टू कप्स' शो में बताया कि करियर की शुरुआत में उनके साथ एक बहुत अजीब घटना हुई थी। उन्हें एक प्रोजेक्ट के लिए 'एक लाख रुपये और कॉम्प्रोमाइजट का ऑफर देने वाला मैसेज मिला। उन्होंने कहा, 'यह मेरे करियर के शुरुआत की बात है, इसलिए मैंने जवाब में पूछा कि 'कॉम्प्रोमाइज?' दरअसल, मुझे इसका मतलब नहीं पता था'। मानवी ने माना कि शुरू में उन्हें इस शब्द का मतलब समझ नहीं आया था और उन्होंने वह मैसेज एक ऐसे कास्टिंग डायरेक्टर को भी दिखाया जिन पर उन्हें भरोसा था।

मैसेज भेजने वाले की हिम्मत ने हैरान किया

मानवी ने कहा, 'मैंने इसे एक कास्टिंग डायरेक्टर को दिखाया, जो मेरे लिए एक मेंटर की तरह थे। उन्होंने कहा, बस उसे डिलीट करो, ब्लॉक करो'। अभिनेत्री को सबसे ज्यादा हैरानी इस बात से हुई कि मैसेज भेजने वाले ने इतनी हिम्मत दिखाई कि ऐसा ऑफर भी लिखकर भेजा। उन्होंने कहा, 'मैं हैरान रह गई, यार। लोग आमतौर पर सोचते हैं कि कोई सबूत नहीं होना चाहिए। वे फोन पर बातें करते हैं, ताकि कोई उनकी शिकायत न कर सके। लेकिन यहां तो टेक्स्ट में ही एक लाख रुपये और कॉम्प्रोमाइज की बात कही गई थी'। बता दें कि मानवी गगरू चर्चित अभिनेत्री हैं। उन्होंने टीवीएफ पिचर्स, टीवीएफ ट्रिपलिंग और फोर मोर शॉट्स प्लीज जैसी सीरीज में काम किया है। इसके अलावा वे 'नो वन किल्ड जेसिका', 'पीके', 'तू है मेरा संडे' और 'उजड़ा चमन' जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

नए स्टार्स के साथ ऐसा ही होता है

वह किस्सा याद कर मानवी को हंसी आ गई कि उन्होंने उस मैसेज का मतलब कितनी मासूमियत से समझा था। उन्होंने कहा, 'मुझे पहले लगा कि 'कॉम्प्रोमाइज' का मतलब है कि बजट में कॉम्प्रोमाइज करेंगे या नहीं। मुझे लगा शायद यह कोई फाइनेंशियल बात है। जैसे जीएसटी, पता है न? एक लाख रुपये प्लस जीएसटी, शायद कुछ कॉम्प्लिमेंट्री भी हो। साथ में कॉम्प्रोमाइज। मुझे पता नहीं था'। अभिनेत्री ने कहा कि जो लोग नए-नए इंडस्ट्री में आते हैं और वहां की भाषा समझने की कोशिश करते हैं, उनके साथ ऐसी गलतफहमियां होना आम बात है। मानवी के मुताबिक, 'जो लोग फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते उनके साथ ऐसा ही होता है।

नयनतारा ने सामंथा की 'मां इंटी बंगारम' की सफलता का मनाया जश्न

सामंथा रुथ प्रभु अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'मा इंटी बंगारम' की सफलता का जश्न मना रही हैं। एक्शन कॉमेडी से भरपूर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। नयनतारा ने फिल्म की सफलता को लेकर सामंथा को बधाई दी है। उन्होंने पूरी टीम को प्यार और सफलता की शुभकामनाएं देते हुए एक प्यारा संदेश भी लिखा है।

फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की सफलता को देखते हुए साउथ अभिनेत्री नयनतारा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक खास पोस्टर शेयर किया। उन्होंने सामंथा को 'सैम' कहकर बधाई दी और लिखा कि वह इस सफलता की हकदार हैं। उन्होंने पूरी टीम को भी शुभकामनाएं दीं।

बॉक्स ऑफिस पर दो दिनों की कमाई
अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की नई तेलुगु फिल्म 'मां इंटी बंगारम' सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है।

'मां इंटी बंगारम' एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है, जिसे नंदिनी रेड्डी ने निर्देशित किया है। फिल्म 18 जून, 2026 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने 'यशोदा', 'घाटी' और 'द गर्लफ्रेंड' के पहले दिन के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। फिल्म में सामंथा के साथ गुलशन देवैया और दिगंथ मंचले भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े उठाएंगे मिलावटखोरी का मुद्दा

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अगली फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की पहली झलक सामने आ गई है, जिसके बाद से ही फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। 'द इंडिया स्टोरी' फिल्म खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित है और एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा पेश करने वाली है। पोस्टर में श्रेयस तलपड़े एक बीमार छोटी बच्ची को गोद में उठाए नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में बॉम्बे हाई कोर्ट दिखाया गया है। साथ ही एक कीटनाशक (पेस्टिसाइड) का सिलेंडर गवाह के बॉक्स में रखा हुआ नजर आता है, जो इस बात का इशारा करता है कि फिल्म में कानूनी लड़ाई अहम भूमिका निभाएगी। यह पोस्टर साफ दिखाता है कि फिल्म खाने में मिलावट के खतरनाक असर को दिखाएगी और बताएगी कि यह समस्या देश के लाखों परिवारों को कैसे प्रभावित करती है। फिल्म का मकसद लोगों को इस गंभीर मुद्दे के प्रति जागरूक करना है, जो अक्सर नजरअंदाज हो जाता है। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है और इसे सागर बी शिंदे ने लिखा और प्रोड्यूस किया है। फिल्म में भारत के एक बड़े लेकिन कम चर्चा में रहने वाले पब्लिक हेल्थ इश्यू को दिखाया जाएगा।

बॉक्स ऑफिस हिट के बिना इंडस्ट्री गंभीरता से नहीं लेती

'स्त्री' और 'स्त्री 2' की सफलता के बाद अब ऑडियंस को इस हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी के अगले भाग का इंतजार है। 'स्त्री' में जना का किरदार निभाने वाले अभिषेक बनर्जी भी फ्रेंचाइजी के अगले भाग का इंतजार कर रहे हैं। अमर उजाला से खास बातचीत में अभिषेक ने कहा, 'यह फिल्म बननी भी चाहिए। मुझे पूरी उम्मीद है कि यह सिलसिला आगे चलता रहेगा।'

फ्रेंचाइजी को चाहिए नई और युवा एनर्जी

फ्रेंचाइजी की कास्टिंग को लेकर पूछे गए सवाल पर अभिनेता ने कहा, 'जहां तक कास्ट की बात है, फिलहाल तो मेरी यही दुआ है कि अगले कुछ साल तक यही टीम (राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक) बनी रहे। लेकिन आखिरकार हर चीज का एक समय होता है। किसी भी इंडस्ट्री में, चाहे आप किसी भी मुकाम पर हों, एक समय ऐसा आता है जब नई पीढ़ी को आगे आने के लिए जगह देनी पड़ती है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस तरह की फिल्मों में एक खास तरह की यंग एनर्जी की जरूरत होती है। अगर हम 55 या 60 साल की उम्र में भी वही किरदार निभाते रहें तो ऑडियंस को उतना मजा नहीं आएगा इसलिए जब तक हम उस किरदार की ताजगी और एनर्जी को बनाए रख सकते हैं, तब तक जरूर इसका हिस्सा बने रहना चाहेंगे। हां, जिस दिन हमारे निर्माता या निर्देशक को लगेगा कि अब किसी नई एनर्जी की जरूरत है, तो वह फैसला भी हमें स्वीकार करना होगा। यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है।'

फ्रेंचाइजी के अगले भाग को लेकर अभिषेक ने कहा, 'इसका इंतजार मैं भी उतना ही कर रहा हूं जितना ऑडियंस कर रही है। उम्मीद है कि 2028 तक फैंस को 'स्त्री' की एक नई पेशकश देखने को मिल जाएगी। फिलहाल तो यही कहूंगा कि यह यूनिवर्स लगातार बड़ा और मजबूत होता जा रहा है, इसका अगला भाग 'शक्ति शालिनी' भी अभी बन रहा है।' बातचीत के दौरान अभिषेक ने यह भी माना कि यह फिल्म उनके करियर की सबसे अहम फिल्मों में से एक रही है। उनके मुताबिक, इसकी सफलता के बाद इंडस्ट्री में उन्हें देखने का नजरिया बदल गया। अभिनेता ने कहा, 'मुझे लगता है कि 'स्त्री' मेरे करियर की सबसे बड़ी गेम चेंजर रही। जब यह फिल्म आई और उसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की, तब चीजें बदलनी शुरू हुईं। मेरा मानना है कि हमारी इंडस्ट्री में जब तक आपकी फिल्में पैसा नहीं कमातीं, तब तक आपको उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता। टैलेंट अपनी जगह है, लेकिन आखिर में बॉक्स ऑफिस और बिजनेस भी बहुत मायने रखता है। हम सब यह बात जानते हैं।'

मनोज बाजपेयी ने सिनेमा के बदलते कल्चर पर उठाए सवाल

अभिनेता मनोज बाजपेयी ने हाल ही में बातचीत में इंडस्ट्री में बढ़ते पेड रिव्यू ट्रेंड, स्टार्स की बड़ी टीम और बदलते वर्क कल्चर पर खुलकर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि वे अपनी फिल्मों का प्रमोशन किस तरह करते हैं?

फिल्मों के पेड रिव्यू और जबरदस्ती अच्छा माहौल बनाने के ट्रेंड पर मनोज बाजपेयी ने बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा, 'आजकल कोई भी फिल्म जो बुरी भी होती है, उसको अच्छा बताया जाता है। उस एक्टर की पूरी टीम लग जाती है ये साबित करने में कि फिल्म अच्छी है...उनका परफॉर्मेंस बहुत कमाल का है। तो जो चीज बुरी है, उसको अच्छा साबित करने के लिए पूरी टीम लगी रहती है जी। और ये सब मैंने भी पढ़ा है, देखा नहीं। मैं जिस तरह का काम करता हूं, उसमें ये सब तो होता नहीं है।'

मेरे फैसले मैं खुद लेता हूं

आज कई कलाकारों के फैसले उनकी टीम तय करती है। लेकिन मनोज कहते हैं कि उन्होंने हमेशा अपने फैसले खुद लिए हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे साथ तो ऐसा नहीं है। मैं अपने फैसले खुद लेता हूं। स्क्रिप्ट पढ़ता हूं या फिर उसका नरेशन लेता हूं। ज्यादातर मैं स्क्रिप्ट पढ़ना पसंद करता हूं। आखिर में फैसला मेरा ही होता है।' मनोज बाजपेयी ने कहा कि काम के दौरान वह अपनी निजी टीम को सेट से दूर रखते हैं और इसे डिसिप्लिन का हिस्सा मानते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर आप मेरे सेट पर आकर देखें, तो आपको मेरी टीम का कोई आदमी आसपास दिखाई नहीं देगा। मीडिया इंटरैक्शन के दौरान भी आप देख रहे हैं- प्रोडक्शन के लोग हैं, कैमरा टीम है, लेकिन मेरी टीम का कोई सदस्य यहां मौजूद नहीं है, क्योंकि हमने एक डिसिप्लिन बनाया हुआ है।' आगे उन्होंने कहा, 'जब हम काम कर रहे होते हैं, मेरा स्टाफ उस दायरे से बाहर रहता है। वहां कैमरा है, डायरेक्टर है, मेरे साथ दूसरे कलाकार हैं। वो एक अलग जोन होता है। उसमें मेरा बॉय, असिस्टेंट या मेकअप मैन तभी आएगा जब उसे बुलाया जाएगा। उनका काम कहीं और है, इस स्पेस में नहीं।'

मुझे बड़ी टीम के साथ चलने की जरूरत नहीं पड़ती

जहां कई कलाकार बड़े सपोर्ट सिस्टम के साथ चलते हैं, वहीं मनोज का कहना है कि उन्हें इसकी जरूरत महसूस नहीं होती। उन्होंने कहा, 'अब हर किसी को अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीने की आजादी है। मैं किसी को जज नहीं करता। जो बात आप कर रही हैं, उसके बारे में मैं कभी-कभी पढ़ लेता हूं, लेकिन वो दुनिया मेरे लिए काफी अनजान है। हो सकता है किसी अभिनेता को इतने सपोर्ट सिस्टम की जरूरत हो, मुझे नहीं है। मैं अपने लिए काफी हूं। मेरा कॉस्ट्यूम, मेरा मेकअप, बहुत सारी चीजें मैं खुद संभाल लेता हूं।' कई बार हेयर स्टाइलिस्ट भी साथ नहीं ले जाता मनोज का कहना है कि वह फिल्मों में दिखावे के बजाय जरूरत के हिसाब से चीजें तय करते हैं।

मैं जरूरत के हिसाब से काम करता हूं

अभिनेता ने कहा कि वह ज्यादातर छोटी और मीडियम बजट की फिल्मों में काम करते रहे हैं, इसलिए हर चीज जरूरत देखकर तय करते हैं। उन्होंने कहा, 'सच्चाई ये है कि मैं ज्यादातर छोटी या मीडियम बजट की फिल्में करता रहा हूं। इसलिए मैं हर चीज फिल्म की जरूरत के हिसाब से तय करता हूं। जो लोग बड़ी फिल्मों में काम करते हैं, उनके तरीके अलग हो सकते हैं। वहां अगर मेकर्स उस पूरे सेटअप की इजाजत देता है, तो फिर बाद में उसे शिकायत करने का भी कोई हक नहीं है।'

मैं सिर्फ अपनी फिल्मों का प्रमोशन करता हूं, बाकी चीजों में नहीं पड़ता

मनोज कहते हैं कि वह अपनी फिल्मों का प्रमोशन जरूर करते हैं, लेकिन चीजों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने में यकीन नहीं रखते। उन्होंने कहा, 'हम अपनी फिल्मों को प्रमोट करते हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग हमारी फिल्म को लेकर जागरूक हों। उसके बाद फिर हम अगली फिल्म में चले जाते हैं। और मैं इस बात पर यकीन करता हूं कि जो होगा, वो होगा। अपना काम शिद्दत से कीजिए, क्योंकि आपके भाग्य का कोई कुछ नहीं ले जा सकता।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।